शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 131 | गुवाहाटी | मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : पीएम — पेज 2
मुख्यमंत्री ने किया इनडोर औप ग्रामीण स्टेडियम का लोकार्पण — पेज 3
केंद्र व राज्य सरकार का उद्देश्य किसान किसी के सामने हाथ न फैलाएं : मुख्यमंत्री — पेज 5
अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए मंगलवार से शुरू होगा प्रशिक्षण शिविर — पेज 7

असम मंत्रिमंडल में फेरबदल

नए मंत्रियों को सौंपे गए विभाग

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सप्ताहांत में राज्य मंत्रिमंडल में चार नए चेहरों को शामिल करने के बाद सोमवार को मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया। 18 सदस्यीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करने वाले शर्मा ने गृह, कार्मिक, लोक निर्माण (भवन और राष्ट्रीय राजमार्ग), लोक निर्माण (सड़क), चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभागों का प्रभार बरकरार रखा है। सोमवार दोपहर जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार, मुख्यमंत्री अब स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और स्वदेशी और आदिवासी आस्था और संस्कृति विभागों के प्रभारी मंत्री नहीं रहेंगे। डिब्रूगढ़ से चार बार विधायक रहे प्रशांत फूकन को शनिवार को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। उन्हें ऊर्जा, कौशल, रोजगार और उद्यमिता तथा चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग सौंपा गया है। पथारकांदी से दो बार विधायक रहे कृष्णेंदु पॉल पशुपालन और पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन और लोक निर्माण सड़क विभाग के मंत्री होंगे। लखीपुर से पहली बार विधायक बने कौशिक राय को खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले, खान एवं खनिज तथा बराक घाटी विकास विभाग सौंपा गया है, -शेष पृष्ठ दो पर

सेवानिवृत्त बांग्लादेशी सैनिकों ने असम पर कब्जा करने की धमकी दी

ढाका। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बांग्लादेशी सेना के सेवानिवृत्त जवानों ने दावा किया है कि उनके सैनिक असम और कोलकाता पर *चार दिनों के भीतर* कब्जा कर सकते हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव बढ़ने के बीच पूर्व अधिकारियों को वीडियो में भड़काऊ *भारत विरोधी* बयान देते देखा जा सकता है। एक वीडियो में एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने दावा किया कि 5,100 बांग्लादेशी कर्मियों का एक मुख्य समूह तीन मिलियन बांग्लादेशियों के समर्थन से कोलकाता और अन्य प्रमुख भारतीय क्षेत्रों पर तेजी से कब्जा कर सकता है। एक अन्य क्लिप में एक पूर्व सैन्यकर्मी यह दावा करता हुआ दिखाई देता है कि बांग्लादेशी सेना देश की रक्षा करने और भारत को सबक सिखाने के लिए *युद्ध के लिए तैयार* है, तथा दावा करता है कि इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण भी मिला है। ये भड़काऊ दावे दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आए हैं, जो बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और कथित अत्याचारों से प्रेरित है, जिससे असम और अन्य भारतीय क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

जब आप हमारी जमीन कब्जाने आएंगे तब हम क्या लॉलीपॉप खाएंगे : ममता

कोलकाता। बांग्लादेशी राजनेताओं के एक वर्ग पर कटाक्ष करते हुए ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जब आप हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे, तब क्या भारतीय लॉलीपॉप खाते रहेंगे। दरअसल बांग्लादेश के कुछ नेताओं ने हैरान करने वाला बयान देते हुए कहा है कि बंगाल, बिहार और ओडिशा पर बांग्लादेश के वैध दावा है। पश्चिम बंगाल -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा सांसद के खिलाफ याचिकाओं को अनदेखी कर रहे हैं सीपकर : गौरव

नई दिल्ली। असम कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे से जुड़ी कई घटनाओं के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भारतीय संसद को *बेपटरी* करने का आरोप लगाया। दुबे ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सफलता की कहानी को बेपटरी करने के लिए अमेरिका स्थित अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर गोगोई ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दुबे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने सह-जिला सिविल अस्पताल और ऑक्सीजन प्लांट का किया लोकार्पण

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को 100 बिस्तरों वाले सरूपथार सह-जिला सिविल अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने सरूपथार में आयोजित एक समारोह में नुमलीगढ़ रिफाइनरी के सीएसआर फंड से निर्मित ऑक्सीजन प्लांट का भी लोकार्पण किया। सरूपथार के लोगों के लिए इस दिन को महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि 15 करोड़ रुपए की वित्तीय लागत से निर्मित सह-जिला अस्पताल में नौ बाह्य रोगी विभाग, ऑपरेशन थियेटर, आपातकालीन वार्ड, पुनर्जीवन कक्ष, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई, दवा और बाल चिकित्सा वार्ड, दो प्रसव कक्ष आदि जैसी सुविधाएं हैं। इसके अलावा, नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के सीएसआर फंड की मदद से निर्मित ऑक्सीजन प्लांट से अस्पताल को आपातकाल के दौरान गंभीर देखभाल देने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बड़ी उपलब्धि : 31,869 किमी. सड़कें और 1,401 पुल बने

गुवाहाटी। राज्य के हर हिस्से में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, असम सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत 31,800 किलोमीटर से अधिक सड़कें बनाई हैं और 1,400 से अधिक पुल पूरे किए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे *असम विकास की कहानी* के रूप में संदर्भित किया, जिसमें विभिन्न योजनाओं के तहत किए गए सड़क और परिवहन विकास पर प्रकाश डाला गया। राज्य के हर कोने में कनेक्टिविटी में सुधार करना असम विकास की कहानी का आधार रहा है। विभिन्न योजनाओं के तहत, हमने 31,800 किलोमीटर से -शेष पृष्ठ दो पर

संसद के इसी सत्र में *एक राष्ट्र, एक चुनाव* बिल पेश होने की संभावना

नई दिल्ली। शीतकालीन सत्र के दौरान ही केंद्र सरकार *एक राष्ट्र, एक चुनाव* विधेयक संसद में पेश कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। बता दें कि कैबिनेट ने एक देश एक चुनाव पर रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट को पहले ही मंजूरी दे दी है। सूत्रों का कहना है कि सरकार अब विधेयक पर आम सहमति बनाना चाहती है। एक सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकार अब विधेयक पर आम सहमति बनाना चाहती है। इसी के साथ व्यापक चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी के पास भेज सकती है। बता दें कि जेपीसी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेगी। इस प्रक्रिया में अन्य हितधारकों को भी शामिल किए जाने की तैयारी है। इसके लिए देश भर के तमाम बुद्धिजीवियों के साथ-साथ सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को बुलाया जा सकता है। इसके लिए आम लोगों की राय भी ली जानी है। केंद्र सरकार शुरू से ही एक राष्ट्र के पक्ष में रही है। हालांकि, मौजूदा व्यवस्था को बदलना बेहद चुनौतीपूर्ण काम है। इसके लिए आम सहमति बेहद आवश्यक है। देश में एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने के लिए करीब 6 विधेयक लाने होंगे। इन सभी को संसद में पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। चूंकि मौजूदा स्थिति में दोनों सदनों में एनडीए के पास साधारण बहुमत है। इस कारण लोकसभा या राज्यसभा किसी में भी सरकार के लिए दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करना एक कठिन काम हो सकता है। मौजूदा आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य सभा में एनडीए के पास 112 और -शेष पृष्ठ दो पर

धनखड़ के खिलाफ रास में अविश्वास प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

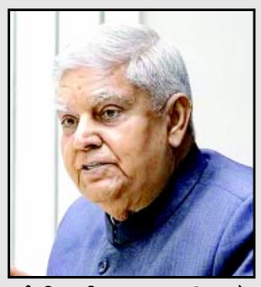

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच टकराव सोमवार को चरम पर पहुंच गया। इस टकराव के बाद विपक्ष ने धनखड़ को उनके कार्यकाल से हटाने के लिए एक अविश्वास प्रस्ताव लाने फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि इस प्रस्ताव पर 50 से अधिक सांसदों ने हस्ताक्षर किया है। अगस्त में विपक्षी गठबंधन को प्रस्ताव पेश करने के लिए नेताओं के हस्ताक्षर की जरूरत थी, लेकिन उस समय वे आगे नहीं बढ़े। उन्होंने राज्यसभा के सभापति को एक मौका देने का फैसला किया, लेकिन सोमवार को उनके व्यवहार को देखते हुए विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने का मन बना चुका है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आम आदमी पार्टी (आप), समाजवादी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

छः कानों में पढ़ेंने से (तीसरे व्यक्ति को पता पढ़ेंने से) मंत्रणा का भेद खुल जाता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अडाणी मुद्दे पर कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदर्शन से सपा टीएमसी और आप रहीं नदारद

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में विपक्षी नेताओं ने सोमवार को कारोबारी गौतम अडाणी से जुड़े मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में इंडी गठबंधन के -शेष पृष्ठ दो पर

ढाका पहुंचते ही विदेश सचिव मिस्त्री का सख्त संदेश–

पहले हिंदुओं की सुरक्षा तय करे बांग्लादेश सरकार

नई दिल्ली। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री सोमवार को बांग्लादेश के दौरे पर आए। विदेश सचिव ने यहां मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ व्यापक वार्ता की। जिसमें उन्होंने हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हमले का मुद्दा उठाया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से भी बातचीत की। उन्होंने बांग्लादेश में धार्मिक स्थलों पर हो रहे हमलों को लेकर भी चिंता जताई। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि हमने हाल के घटनाक्रमों पर भी चर्चा की और मैंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित चिंताओं से भी -शेष पृष्ठ दो पर

संजय मल्होत्रा होंगे आरबीआई के नए गवर्नर 11 को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली। संजय मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे। केंद्रीय कैबिनेट ने सोमवार को नए गवर्नर के रूप में उनके नाम को मंजूरी दी। वह मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। जानकारी के मुताबिक संजय बुधवार, 11 दिसंबर को नए गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। बता दें कि संजय 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए हुई है। वर्तमान में वह रेवेन्यू सचिव का पदभार संभाल -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में इंटरनेट सेवा बहाल, एससी ने सीलबंद लिफाफे में मांगी पूरी डिटेल

नई दिल्ली। सोमवार को मणिपुर से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट सख्त नजर आया। कोर्ट ने राज्य द्वारा विस्थापित व्यक्तियों की शिकायतों का समाधान करने तथा उनकी संपत्तियों को बहाल करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। एससी ने मणिपुर सरकार से जलाए गए या आंशिक रूप से जलाए गए भवनों, लूटे गए भवनों, अतिक्रमण किए गए भवनों या अतिक्रमण किए गए भवनों जैसे विशिष्ट विवरण प्रदान करने का निर्देश -शेष पृष्ठ दो पर

जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर रास में हंगामा, सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेताओं और अरबपति जॉर्ज सोरोस के बीच संबंधों को लेकर राज्यसभा में गतिरोध बना रहा। सोमवार को उच्च सदन की कार्यवाही हंगामे के भेंट चढ़ गई। सत्ता पक्ष जॉर्ज सोरोस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग और विपक्ष के नेता अपने मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़े रहे। दोनों के बीच गतिरोध के चलते सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे, फिर 2 बजे और फिर 3 बजे स्थगित करना पड़ी। सुबह उच्च सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कुल 11 नोटिस मिले हैं, जिनमें किसानों का मुददा, मणिपुर और जॉर्ज सोरोस के मुद्दे हैं, लेकिन शून्य काल में अहम मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। इसके बाद सभा पटल पर राज्यसभा में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 रखा। यह विधेयक पिछले सप्ताह (3 दिसंबर, 2024) निचले सदन में पारित -शेष पृष्ठ दो पर

यह भाजपा की चाल है : खड़गे

नई दिल्ली। अमेरिका के अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस एक बार फिर चर्चा में हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर सोरोस से संबंध रखने का आरोप लगाया है। इस बीच राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भारतीय जनता पार्टी बनाम कांग्रेस के ताजा झगड़े और झड़प के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता आरक्षण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले पर सुनवाई के दौरान कहा कि आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता। कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने कलकत्ता हाईकोर्ट के 2010 के फैसले को चुनौती दी थी। राज्य में जिन जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा दिया गया था, उसे हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया था। याचिका पर सुनवाई जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि यह धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर है। पश्चिम बंगाल में कई जातियों को ओबीसी का दर्जा दिया गया था। हाईकोर्ट इसे अवैध बताते हुए खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सार्वजनिक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत में कारोबारी माहौल से कारोबारी विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते भारत ने जो विकास किया है वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री राजस्थान के जयपुर में जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट- 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपने कुशल कार्यबल और विस्तारित बाजार के कारण निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले एक दशक में ही भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था और निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। 2014 से पहले के दशक की तुलना में पिछले दशक में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी दो गुना से अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत का बुनियादी ढांचा व्यय लगभग 2 ट्रिलियन रुपए से बढ़कर 11 ट्रिलियन रुपए हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और डिलीवरी की असली ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता और सशक्तिकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आने वाले कई वर्षों में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा और भारत में युवाओं की सबसे बड़ी संख्या के साथ-साथ सबसे बड़ा कुशल युवा समूह भी होगा। आज की दुनिया में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डेटा के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि यह सदी तकनीक-संचालित और डेटा-संचालित है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और डेटा की अपनी वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। मोदी ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल तकनीक का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र और समुदाय को लाभान्वित कर रहा है। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीवीसी) जैसी भारत की विभिन्न डिजिटल पहलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं जो डिजिटल इकोसिस्टम की शक्ति को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि इनका व्यापक प्रभाव राजस्थान में भी स्पष्ट होगा। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न तो देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका खामियाजा राजस्थान को भुगतना पड़ा।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को राजनीति में लाने का संकल्प दोहराया

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हमारा संकल्प एक लाख प्रतिभाशाली और ऊर्जावान युवाओं को राजनीति में लाने का, है जो 21वीं सदी की भारतीय राजनीति का नया चेहरा बनेंगे और देश का भविष्य बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात में रामकृष्ण मठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत के युवाओं ने दुनिया में अपनी क्षमता और सामर्थ्य को साबित कर दिया है। यह भारत की युवा शक्ति ही है, जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रही है और भारत के विकास की कमान संभाल रही है। इस बात पर जोर देते हुए कि आज देश के पास समय भी है और अवसर भी, मोदी ने राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में नेतृत्व के लिए युवाओं को तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों की तरह राजनीति में भी हमारे युवाओं को देश का नेतृत्व करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें आज अपने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के लिए तैयार करना है, हमारे युवा राजनीति में भी देश का नेतृत्व करें। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमने विकसित भारत के दृढ़ संकल्प के साथ अमृत काल की नई यात्रा शुरू की है, हमें इसे तय समय में पूरा करना है। आज भारत अपने ज्ञान, परंपरा और सदियों पुरानी शिक्षाओं के आधार पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिकता और सतत विकास के दो महत्वपूर्ण विचारों को याद रखना जरूरी है, इन दोनों विचारों में सामंजस्य स्थापित करके हम बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

नाव दुर्घटना में तीन वर्ष की बच्ची डूबी

गुवाहाटी (हिंस)। सोमवार को हुई एक नाव दुर्घटना में तीन वर्ष की बच्ची डूब गई। पुलिस ने बताया कि चापर सर्किल अंतर्गत चंद्रपुर गांव में सोमवार सुबह 10.40 बजे नाव दुर्घटना हुई, जहां एक नाव बंगाईगांव जिले के उसुंगर चर खंड-3 से चापर बाजार जा रही थी। इंजन वाली नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें सभी यात्री अचानक नदी में गिर गए। हालांकि, स्थानीय लोगों द्वारा सभी को बचा लिया गया है। एक तीन महीने की एक बच्ची लापता है। एसडीआरएफ मौके पर है और लापता बच्ची की तलाश और बचाव अभियान चला रही है। इंजन वाली इस नाव में लगभग 50 यात्री सवार थे। लापता बच्ची की पहचान मेहनाज परबीन (3 महीना) के रूप में हुई है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जालुकबारी पुलिस ने हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान पांडू कॉलेज गेट के पास से आठ प्लास्टिक की शीशियों में भरकर रखी गई हेरोइन, 14 खाली शीशियां और नगद 995 रुपए के साथ दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

मुंबई में होगा वर्ल्ड हिन्दू इकोनॉमिक फोरम 2024 का आयोजन

मुंबई (हि.स.)। वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूएचईएफ) का वार्षिक सम्मेलन बीकेसी में 13 से 15 दिसंबर 2024 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, एनएसई के सीईओ आशीष कुमार चौहान, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन के.वी. कामथ और हीरानंदानी ग्रुप के एमडी निरंजन हीरानंदानी हैं।

माल अनलोड करते समय श्रमिक की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के छयगांव के औद्योगिक विकास केंद्र में एक श्रमिक की संदिग्ध अवस्था में मौत का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने सोमवार को बताया कि औद्योगिक विकास केंद्र के ब्रह्मपुत्र बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड में उक्त श्रमिक की संदिग्ध व्यवस्था में मौत हो गई। मृतक श्रमिक की पहचान सैफुल इस्लाम के रूप में की गई है। जो गरैमारी के बीहापारा का निवासी बताया गया है। ट्रक से चावल अनलोड करते समय चावल का बस्ता श्रमिक के सीने पर गिर गया, जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल श्रमिक को तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृतक का शव ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

असम मंत्रिमंडल में ...

जबकि डूमडूमा से पहली बार विधायक बने रूपेश गोवाला को श्रम कल्याण, चाय जनजाति एवं आदिवासी कल्याण तथा गृह विभाग (कारागार, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा तथा मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे गए अन्य विषय) दिए गए हैं। सोमवार को जारी कैबिनेट विभागों की नई सूची के अनुसार, रंजीत कुमार दास पंचायत एवं ग्रामीण विकास, न्यायिक, पर्यटन और सामान्य प्रशासन विभाग देखेंगे। अतुल बोरा कृषि, आबकारी, सीमा सुरक्षा एवं विकास, बागवानी और असम समझौते के क्रियान्वयन विभाग के मंत्री होंगे। केशव महंत को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का प्रभार दिया गया है। उर्खाओ गौरा ब्रह्म कपड़ा, हथकरघा, रेशम उत्पादन, मृदा संरक्षण और बोड़ोलैंड कल्याण विभागों की जिम्मेदारी संभालेंगे। बोरा और महंत असम गण परिषद से हैं, जबकि ब्रह्म यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल से हैं - दोनों ही पार्टियां सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी हैं। चंद्र मोहन पटवारी को एक्ट ईस्ट पॉलिसी, पर्यावरण एवं वन तथा संसदीय कार्य विभाग का प्रभार दिया गया है। रनोज पेगु को स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा तथा जनजातीय कार्य (मैदानी) विभाग का मंत्री बनाया गया है। अशोक सिंघल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा सिंचाई विभाग का मंत्री बनाया गया है। जोगेन मोहन को पहाड़ी क्षेत्र, परिवहन, सहकारिता, स्वदेशी और आदिवासी आस्था एवं संस्कृति विभाग का प्रभार दिया गया है। अजंता नियोग को वित्त और महिला एवं बाल विकास विभाग का प्रभार दिया गया है। पीयूष हजारिका को सूचना एवं जनसंपर्क, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा जल संसाधन विभाग का प्रभार दिया गया है। बिमल बोरा सांस्कृतिक मामले, उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के प्रमुख होंगे। जयंत मल्ल बरुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, आवास और शहरी मामलों के विभागों के प्रभारी होंगे। नंदिता गरलोसा खेल और युवा कल्याण, अल्पसंख्यकों के कल्याण, सार्वजनिक निर्माण भवन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभागों की देखरेख करेंगी।

जब आप हमारी ...

विधानसभा में बोलते हुए ममता बनर्जी ने राज्य के लोगों से शांत रहने और बांग्लादेश में दिए जा रहे उत्तेजक बयानों से गुस्सा न होने का आग्रह किया। उन्होंने ये भी कहा कि पश्चिम बंगाल हमेशा केंद्र द्वारा लिए गए किसी भी फैसले के साथ खड़ा रहेगा। ममता बनर्जी ने बांग्लादेशी नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि वे शांत और स्वस्थ रहें और मन को शांत रखें। गौरतलब है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता ने हाल ही में ढाका में एक सार्वजनिक बैठक में कहा कि उनके देश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर वैध दावा है। ममता बनर्जी ने भड़काऊ बयानों से प्रभावित न होने की अपील करते हुए कहा कि हमारे यहां के इमामों ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं और मुसलमानों तथा अन्य सभी समुदायों की रगों में एक ही खून बहता है। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पश्चिम बंगाल में स्थिति को खराब न होने दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल देश का पहला राज्य है जहां जाति, पंथ या समुदाय से ऊपर उठकर लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ सामूहिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ ही मीडिया से भी पड़ोसी देश की स्थिति पर जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करने की अपील की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी तृणमूल कांग्रेस, विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे विदेश सचिव बातचीत के लिए बांग्लादेश में हैं। हमें इस मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा नहीं बोलना चाहिए। हमें नतीजे का इंतजार करना चाहिए। हम जिम्मेदार नागरिक हैं। हमारा देश एकजुट है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीम उद्दीन के साथ बातचीत की। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव है। अगस्त में बड़े पैमाने पर भड़की हिंसा के बाद शेख हसीना के 15 साल के शासन का अंत हो गया। शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद यह भारत की तरफ से पहली शीर्ष स्तर का दौरा है।

बड़ी उपलब्धि : 31,869...

अधिक सड़कें बनाई हैं और 1,400 से अधिक पुलों का निर्माण पूरा किया है, जिसमें आकांक्षी जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। विभिन्न योजनाओं के तहत, राज्य सरकार ने पूरे राज्य में 31,869 किलोमीटर की कुल लंबाई के साथ 9066 सड़कें बनाई हैं और 1401 पुल बनाए हैं। 4125 बस्तियों (250+ आबादी) में जियो-टैगिंग की गई है और राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी ने 3322 बस्तियों को मंजूरी दी है, जिसे पीएमजीएसवाई-फोर के तहत पूरा किया गया है। पीएम-जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान पहल में, राज्य के आकांक्षी जिलों में 652 गांवों और 543 बस्तियों के तहत 834 बस्तियों की पहचान की गई है। इससे पहले रविवार को असम के मुख्यमंत्री ने पलाशबाड़ी और शुआलकुची को जोड़ने वाले लौह पुरुष बिष्णुराम मेधी सेतु का भूमि पूजन किया। ब्रह्मपुत्र पर बना 8वां पुल 12.2 किलोमीटर लंबा है, जिससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी। असम के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रह्मपुत्र नदी पर एक नए पुल की आधारशिला रखी थी। उन्होंने कहा कि इस पुल की आधारशिला पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी। 2014 तक ब्रह्मपुत्र पर सिर्फ 3 पुल थे, 2014 के बाद 3 और पुल चालू हो गए हैं; 1 पूरा होने वाला है और अन्य निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। यह पुल दो महत्वपूर्ण केंद्रों को जोड़ेगा-शुआलकुची जिसे असम की वस्त्र नगरी और विश्व प्रसिद्ध असम सिल्क उत्पादों का केंद्र कहा जाता है और पलासबाड़ी-एक उभरता हुआ विकास केंद्र और राज्य की राजधानी क्षेत्र का हिस्सा है। इन दोनों स्थानों को करीब लाने से गुवाहाटी की परिधि बदल जाएगी। कुल परियोजना लागत लगभग 3197 करोड़ रुपए आंकी गई है और जून 2028 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

भाजपा सांसद के खिलाफ ...

की कार्यवाही शुरू करने का आग्रह करते हुए अध्यक्ष को बार-बार पत्र भेजे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने आगे दावा किया कि उनकी सभी दलीलों को नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे भाजपा सांसद को अपनी विवादास्पद टिप्पणी जारी रखने की अनुमति मिल गई। उन्होंने कहा कि फिर भी हमारी सभी दलीलों को नजरअंदाज कर दिया गया और भाजपा सांसद को अपनी बकवास जारी रखने की अनुमति दी गई। गोगोई ने कहा कि आज भी उनका नाम सूची में है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा की कार्रवाई संसद के कामकाज को बाधित करने के उद्देश्य से की गई थी।दुबे के दावों के जवाब में, कांग्रेस ने पहले ही यह मुद्दा उठाया था कि यदि दुबे को कार्यवाही में बोलने की अनुमति दी गई तो सदन नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री ने सह-जिला...

अस्पताल में कई और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 हजार महिलाओं को अरुणोदय योजना का लाभ मिला है। हालांकि, सरूपथार विधानसभा क्षेत्र से 10 हजार और लाभार्थियों को सूची में जोड़ा जाएगा। नतीजतन, सह-जिले की कई महिलाएं सशक्त होंगी। इस अवसर पर सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, विधायक विश्वजीत फूकन और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संसद के इसी सत्र ...

विपक्षी दलों के पास 85 सीटें हैं, जबकि दो तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की आवश्यकता होती है। वहीं, लोकसभा में एनडीए के पास 292 सीटें हैं। जबकि लोकसभा में दो तिहाई बहुमत के लिए आंकड़ा 364 का है। हालांकि, ध्यान देने वाली बात है कि लोकसभा में बहुमत की गणना केवल उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के आधार पर की जाएगी। केंद्र की एनडीए सरकार शुरू से ही एक देश एक चुनाव के पक्ष में रही है। सरकार ने हमेशा तर्क दिया है कि चुनाव कराने की वर्तमान प्रणाली समय, धन और प्रयास की बर्बादी है। फिर चुनाव से पहले घोषित आदर्श आचार संहिता का सवाल है, जो विकास कार्यों पर ब्रेक लगाती है।

पहले हिंदुओं की...

अवगत कराया। हमने सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों पर हमलों की चिंताजनक घटनाओं पर भी चर्चा की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि मैंने इस बात पर जोर दिया कि भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक, रचनात्मक और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध चाहता है। मैंने आज बांग्लादेश प्राधिकरण की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया है। बता दे कि भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए सोमवार को ढाका पहुंचे। यहां उन्होंने बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीमुद्दीन के साथ व्यापार, वीजा पॉलिसी, सीमा पर तनाव, जल-बंटवारा और आपसी हित समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की। यह यात्रा बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच पहली उच्च-स्तरीय बातचीत हुई। चर्चाओं का उद्देश्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की हालिया घटनाओं और आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी सहित कई मुद्दे शामिल रहे। 25 नवंबर को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास अभी भी हिरासत में हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश सरकार से आग्रह किया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि उनके कानूनी अधिकारों की रक्षा की जाए और उनका मुकदमा पारदर्शी तरीके से चलाया जाए। उनके मामले की अगली सुनवाई 2 जनवरी 2025 को तय की गई है। इससे पहले 4 दिसंबर को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने पुष्टि की थी कि ये बैठकें आपसी हित पर केंद्रित रहेगी। सितंबर में बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए और एफओसी बैठकें जारी रखने पर सहमति व्यक्त की थी। बता दें कि अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ बढ़ती हिंसा एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। 6 दिसंबर को ढाका के पास धोर गांव में स्थित हिंदू मंदिर महाभाग्य लक्ष्मीनारायण मंदिर में कथित तौर पर आग लगा दी गई। मंदिर के पर्यवेक्षक बाबुल घोष ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि हमलावरों के भागने से पहले मूर्तियों पर पेट्रोल डाला गया था।

संजय मल्होत्रा होंगे ...

रहे हैं। संजय मल्होत्रा, 1990 बैच के राजस्थान कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की है। वहीं अमेरिका की प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से पब्लिक पॉलिसी में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। अपने 33 वर्षों से अधिक के करियर में संजय मल्होत्रा ने पॉनर, फाइनेंस और टैक्सेशन, आईटी, माइनिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों में अहम योगदान दिया है। वर्तमान में वे वित्त मंत्रालय में सचिव (राजस्व) हैं। अपने पिछले कार्यभार में, उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग में सचिव का पद संभाला था। उन्हें राज्य और केंद्र सरकार में फाइनेंस और टैक्सेशन में व्यापक अनुभव है।

मणिपुर में इंटरनेट...

दिया है। वहीं, राज्य के नौ जिलों में एक बार फिर से इंटरनेट सेवाल बहाल कर दी गई है। राज्य सरकार ने सोमवार को 23 दिनों के बाद सभी जिलों से इंटरनेट प्रतिबंध हटा लिया। राज्य के संवेदनशील इलाकों में मौजूदा कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। राज्य के सबसे ज्यादा हिंसा प्रभावित जिलों में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को परखने के बाद इंटरनेट सेवा को बहाल किया गया है। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि राज्य सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति और इंटरनेट सेवाओं के सामान्य संचालन के साथ इसके संभावित सह-संबंध की समीक्षा करने के बाद मणिपुर के इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, जिरीबाम, चुराचंदपुर, कांगपोकपी और फेरजावल के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में इंटरनेट और डेटा सेवाओं के सभी प्रकार के अस्थायी निलंबन को तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। जानकारी दें कि पिछले महीने जीरी और बराक नदियों तीन महिलाओं और तीन बच्चों का शव संदिग्ध परिस्थियों में मिला था। इसके बाद राज्य में फिर से हिंसा भड़क उठी थी। इस हिंसा के बाद कानून व्यवस्था को ठीक रखने के लिए 16 नवंबर को इन जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। उसी समय से मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध कई बार बढ़ाया जा चुका है। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य द्वारा विस्थापित व्यक्तियों की शिकायतों का समाधान करने तथा उनकी संपत्तियों को बहाल करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसलिए इसने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा प्रतिनिधित्व की गई मणिपुर सरकार से जलाए गए या आंशिक रूप से जलाए गए भवनों, लूटे गए भवनों, अतिक्रमण किए गए भवनों या अतिक्रमण किए गए भवनों जैसे विशिष्ट विवरण प्रदान करने को कहा। मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि रिपोर्ट में इन संपत्तियों के मालिकों और वर्तमान में रहने वालों के बारे में जानकारी भी दी जानी चाहिए, साथ ही अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ की गई किसी भी कानूनी कार्रवाई का विवरण भी दिया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा आदेश में कहा कि हम राज्य सरकार को निम्नलिखित विवरण प्रदान करने का भी निर्देश देते हैं, जिसमें जली हुई और आंशिक रूप से जली हुई इमारतें, लूटी गई इमारतें और अतिक्रमण और अतिक्रमण वाली इमारतें शामिल हैं। ये जानकारी कोर्ट कोर्ट को एक सीलबंद लिफाफे में दी जानी है। इस मामले में अगली सुनवाई 20 जनवरी 2025 को होगी। अगस्त, 2023 में, शीर्ष अदालत ने मणिपुर जातीय हिंसा से संबंधित दलीलों पर ध्यान दिया और कई निर्देश पारित किए। इसके बाद इसने पीड़ितों के राहत और पुनर्वास और उन्हें मुआवजा देने की निगरानी के लिए तीन पूर्व महिला उच्च न्यायालय न्यायाधीशों वाली एक समिति गठित करने का आदेश दिया और साथ ही महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस प्रमुख दत्तात्रेय पडसलगीकर को आपराधिक मामलों की जांच की निगरानी करने के लिए कहा था।

धनखड़ के खिलाफ ...

पार्टी (सपा) और विपक्षी गठबंधन के सदस्य इस प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ने के लिए एकसाथ हैं। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान स्थगन के तुरंत बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा सदस्य उस मुद्दे पर चर्चा के लिए उत्तेजित थे, जिसमें कांग्रेस नेता शामिल थे। उन्होंने कहा कि फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन द एशिया-पैसेफिक (एफडीएल-एपी) और जॉर्ज सोरोस के बीच संबंध चिंता का विषय है। इसका सह-अध्यक्ष इस सदन का सदस्य है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि एफडीएल-एपी जम्मू-कश्मीर को एक अलग इकाई के रूप में देखता है। जब जगदीप धनखड़ ने जानना चाहा कि सत्ता पक्ष के नेता विरोध क्यों कर रहे हैं, तब भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का जॉर्ज सोरोस से संबंध है। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा था। भाजपा और एनडीए गठबंधन के सांसदों ने इस मुद्दे पर तुरंत चर्चा की मांग की, जबकि कांग्रेस सदस्यों ने दावा किया कि अदाणी मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा किया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश और प्रमोद तिवारी समेत कई नेताओं ने पूछा कि सभापति सत्तारूढ़ पार्टी को इस मुद्दे को उठाने की अनुमति कैसे दे रहे थे, जबकि उन्होंने इस संबंध में उनके (सत्तारूढ़ पार्टी) नोटिस को खारिज कर दिया था। भाजपा के लक्ष्मीकांत बाजपेयी को शून्यकाल में अपना मुद्दा उठाने का मौका दिया गया और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बोलना शुरू किया। जयराम रमेश ने उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब सभापति के नियम 267 के तहत नोटिस खारिज कर दिया है तो उसमें उल्लिखित मुद्दों को उठाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सांसद दिग्विजय सिंह ने भी धनखड़ पर पक्षपात करने का आरोप लगाया।

जॉर्ज सोरोस के ...

किया गया था। इसके बाद जब राज्यसभा में सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा ने सबसे पहले अपने संबोधन में कहा कि जॉर्ज सोरोस और कांग्रेस के संबंध देश की सुरक्षा से जुड़ा अहम मुद्दा है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। इस मुद्दे पर पूरा देश चिंतित है और विपक्ष से जवाब चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से पांचवी अर्थव्यवस्था पर पहुंच गया है और अब विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। नड्डा ने कहा कि जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन देश को अस्थिर करना चाहता है और कांग्रेस उसका समर्थन कर रही है। इस पर सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेता पक्ष के सारे आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठा बताया। इस बीच सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की वजह से आज सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों की जवाबी नारेबाजी और हंगामे के बीच सभापति धनखड़ ने कहा कि उनके कक्ष में सदन के नेता और विपक्ष के नेता के बीच बैठक हुई। इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सदन सुचारू रूप से चले। दोनों पक्षों ने खुलकर चर्चा की और उन्होंने दो बातों का संकेत दिया। पहला, राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता हमारे लिए पवित्र है। हम देश के भीतर या बाहर किसी भी ताकत को हमारी एकता, हमारी अखंडता और हमारी संप्रभुता को अपमानित करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण क्षण में, जब देश ऐसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, इस सदन को बड़े पैमाने पर लोगों को प्रेरित करने के लिए एकजुट आवाज उठानी चाहिए, लोगों को प्रेरित करना चाहिए, ताकि इन ताकतों को हराया जा सके। हम इस देश में, जो बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है, इस तरह के बुरे इरादों को बर्दाश्त नहीं कर सकते या अनदेखा नहीं कर सकते। धनखड़ ने कहा कि हमारा आचरण ऐसा होना चाहिए कि लोगों को हमारी संसद में अधिक रुचि हो क्योंकि अगर संसद में संवाद बड़े पैमाने पर लोगों की भावनाओं को साझा नहीं करता है तो यह संसद अप्रासंगिक हो जाएगी। संसद के लिए यह आवश्यक है कि वह ऐसी गंभीर चुनौतियों पर चर्चा करे। उन्होंने कहा कि यह ऐसा अवसर है जब पूरे देश को एक स्वर में बोलने की जरूरत है। उन्होंने कल तक के लिए कार्यवाही स्थगित करते हुए कहा कि नेताओं ने मंगलवार को सुबह 10:30 बजे फिर से उनके कक्ष में मिलने पर सहमति व्यक्त की है।

यह भाजपा की ...

सोमवार को सदन और विपक्ष के नेता जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खड़गे को अपने कक्ष में बुलाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने *झूठ* की आलोचना की और तर्क दिया कि उनकी पार्टी भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने की समिति है। उन्होंने कहा कि निराधार आरोप देश को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की भाजपा की चाल है। विपक्षी सांसदों की तरफ से उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर किए गए हंगामे के कारण राज्यसभा और लोकसभा को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। कुल मिलाकर, उच्च सदन में तीन बार स्थगन हुआ, वहीं दूसरे स्थगन के बाद नड्डा उठे और उन्होंने सोनिया गांधी और फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक फाउंडेशन के बीच संबंधों का आरोप लगाया, जिसकी वह सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि भारत की छवि खराब करता है और राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में चिंता पैदा करता है। लोग चिंतित हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खेल रही है। इसलिए, हम चर्चा चाहते हैं। कांग्रेस प्रमुख खड़गे और जयराम रमेश और प्रमोद तिवारी जैसे पार्टी सहयोगियों ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए सभापति से पूछा कि वह भाजपा सांसदों को इस मुद्दे को उठाने की अनुमति कैसे दे सकते हैं। खड़गे ने कहा कि सदन के नेता ने नड्डा का जिक्र करते हुए) जो कहा वह झूठ है। इस तरह से इस मुद्दे को उठाना और जो सदस्य मौजूद नहीं है उसकी छवि को नुकसान पहुंचाना गलत है।

धर्म के आधार ...

नौकरियों और राज्य-प्रशासित शिक्षण संस्थानों में इन जातियों के लिए आरक्षण अवैध था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि इन समुदायों को ओबीसी घोषित करने के लिए धर्म ही एकमात्र पैमाना प्रतीत होता है। साथी ही कोर्ट ने यह भी कहा कि 77 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा घोषित करना पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि जिन लोगों को इन जातियों के आरक्षण का लाभ पहले मिल चुका था, उनकी सेवाओं या चयन प्रक्रिया पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा। हाईकोर्ट ने अप्रैल 2010 से सितंबर 2010 तक 77 जातियों क दिए गए आरक्षण को रद्द कर दिया था। इसके अलावा, 37 जातियों के लिए ओबीसी आरक्षण को भी रद्द कर दिया गया था, जो 2012 के पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग कानून के तहत दिया गया था। आज हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों से मामले पर विस्तृत जानकारी मांगी। कपिल सिब्बल ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है, जो हजारों छात्रों और नौकरी के इच्छुक लोगों के अधिकारियों को प्रभावित करता है। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि वह हाईकोर्ट के फैसले पर अंतरिम आदेश जारी करे और उस पर अस्थायी रोक लगाए। सुप्रीम कोर्ट ने अन्य वकीलों की भी दलील सुनी, जिसमें वरिष्ठ वकील पी.एस. पटवालिया भी शामिल थे, जो मामले में कुछ प्रतिवादियों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह सात जनवरी को इस मामले में सुनवाई करेगा।

अडाणी मुद्दे पर कांग्रेस...

सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आआपा) शामिल नहीं हुई। प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों ने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर *हम एक हैं* लिखा हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अडाणी के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शनकारियों में शामिल दो सांसद प्रधानमंत्री और अडाणी के मुखौटे पहने नजर आए। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने व्यंग्यात्मक तरीके से मोदी और अडाणी का मुखौटा पहने सांसदों से सवाल और व्यंग्यात्मक इशारे करते नजर आए। इस बीच, राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि ध्यान भटकाने की भाजपा की साजिश देश को वास्तविक मुद्दों से विचलित नहीं कर सकती। उल्लेखनीय है कि अडाणी पर अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग ने कथित रिश्वतखोरी का आरोप लगाया था।

मुख्यमंत्री ने किया इनडोर औप ग्रामीण स्टेडियम का लोकार्पण

माता-पिता से किया अनुरोध कि वे अपने बच्चों में खेल के प्रति प्रेम पैदा करें

गोलाघाट (हिंस)। सरूपथार के बुनियादी ढांचे के विकास को नया आयाम देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज सरूपथार में आयोजित एक समारोह में लोगों को एक इनडोर स्टेडियम समर्पित किया तथा एक स्विमिंग पूल का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि सरूपथार में खेलों के लिए एक मजबूत परिदृश्य बनाया गया है, जो इस क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। दो करोड़ रुपए की वित्तीय लागत से निर्मित इनडोर स्टेडियम में दो सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट तथा दो टेबल टेनिस कोर्ट का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि नुमलीगढ़ रिफाइनरी के सीएसआर फंड का उपयोग करके सरूपथार में स्विमिंग पूल का निर्माण 75 लाख रुपए में किया जाएगा। डॉ. शर्मा ने बताया कि सरूपथार में लवलीना बरगोहाईं खेल परिसर का काम जोरों पर चल रहा है। इन बुनियादी ढांचे के पूर्ण रूप से तैयार हो जाने पर युवा पीढ़ी में उत्साह

की भावना पैदा होगी, जो सरूपथार में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में भी सहायक होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधायक सरूपथार को धन्यवाद दिया और उनसे सरूपथार में शुरू किए गए खेल आंदोलन में भाग लेने के लिए अपने लोगों का नेतृत्व करने को कहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरूपथर के प्रत्येक खिलाड़ी में लवलीना बरगोहाईं और नयनमणि सैकिया की तरह खिलने और फलने-फूलने की क्षमता है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों में खेलों के प्रति प्रेम पैदा करने के लिए कदम उठाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेलों से स्वास्थ्य अच्छा और मजबूत होता है। इसलिए उन्होंने युवाओं से खेलों के प्रति प्रेम विकसित करने को कहा, क्योंकि इससे उन्हें अच्छा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य रखने में मदद मिलेगी, जो बदले में उन्हें रक्षा बलों में शामिल होने में मदद कर सकता है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, विधायक विश्वजीत फूकन, सीजीएम एनआरएल काजल सैकिया, ओलंपियाड लवलीना बरगोहाईं, राष्ट्रमंडल पदक विजेता नयनमणि सैकिया, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज जमुना बोड़ो और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बाद में, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गोलाघाट दक्षिण विकास खंड में 2 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित ग्रामीण स्टेडियम का भी उद्घाटन किया।

मिजोरम में म्यांमार से लाए गए मादक पदार्थों की बड़ी खेप जब्त

एजल (हिंस)। मिजोरम में म्यांमार से लाए गए मादक पदार्थों की बड़ी खेप जब्त की गई है। मिजोरम के जोखावथार में असम राइफल्स और लैंड कस्टम स्टेशन ने संयुक्त रूप से एक अभियान चलाया। अभियान में 12.15 लाख रुपए का विदेशी सामान जब्त किया गया। असम राइफल्स ने सोमवार को बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए एक इलाके में अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में विदेशी सामान बरामद किया गया। इसमें 136 विदेशी ई-सिगरेट, पांच केस और 45 कार्टन विदेशी सिगरेट, 19 केस विदेशी बियर और 38 बोतल विदेशी शराब शामिल हैं। जब्त किया गया सामान चम्फाई जिले के जोखावथार लैंड कस्टम स्टेशन को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है। मिजोरम तथा मणिपुर में लगातार म्यांमार से लाए गए मादक पदार्थों तथा विस्फोटकों की बरामदगी हो रही है। यही वजह है कि भारत म्यांमार सीमा को सील करने का व्यापक पैमाने पर विरोध हो रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरुद्ध तामूलपुर में हजारों लोगों का प्रदर्शन

तामुलपुर (हिंस)। बांग्लादेश में सनातनी हिंदुओं पर बर्बर हमलों और अमानवीय अत्याचारों के खिलाफ ऑल बीटीआर बंगाली यूथ स्टूडेंट्स फेडरेशन की पहल पर तामुलपुर के कुमारीकाटा में सोमवार को एक विशाल विरोध रैली का आयोजन किया गया। प्रदर्शन में भाग लेते हुए, प्रदर्शनकारियों ने युनूस सरकार हाय हाय.. बांग्लादेश सरकार हाय... हाय... चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी को मुक्त करो, भारत विरोधी मौलावादी होसियार, बांग्लादेश को विभाजित कर हिंदुओं के लिए अलग राष्ट्र बनाओ, ऑल बीटीआर बंगाली यूथ स्टूडेंट्स फेडरेशन जिंदाबाद आदि जैसे नारे लगाए। आज के विरोध-प्रदर्शन में हजारों लोगों ने भाग लिया, जिनमें बीटीआर के बंगाली यूथ स्टूडेंट्स फेडरेशन के केंद्रीय नेता तथा अन्य कार्यकर्ता भी शामिल थे।

16 जनवरी से होगा पारंपरिक जोनबील मेला

मोरीगांव (हिंस)। मध्य असम के तिवा जनजातियों का तीन दिवसीय पारंपरिक जोनबील मेला 16, 17 और 18 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इस मेले का प्रमुख तथ्य विनिमय प्रथा के तहत खरीददारी और बिक्री होती है। यानि सामान के बदले सामानों का आदान-प्रदान किया जाता है। खरीद-बिक्री की यह ऐतिहासिक प्रथा इस मेले में देखने को मिलती हैं। इस मेले के आयोजन को लेकर जागीरोड में तिवा राज दरबार, जोनबिल मेला विकास समिति और गोभा देवराजा राज परिषद ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर जानकारी दी। संवाददाता सम्मेलन में मेला समिति के अधिकारियों के साथ-साथ मध्य असम के कई पारंपरिक तिवा राजाओं ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि तिवा संस्कृति का केंद्र एवं पहाड़-समतल के विभिन्न जातीय समूहों के मिलन स्थल वाले इस मेले में कार्बी आंगलोंग जिले के चार दर्जन से अधिक गांवों के मामा मामी के साथ मेघालय प्रदेश के चार सौ से अधिक गांवों के पहाड़ी लोग भाग लेने आएंगे। तिवा रॉयल कोर्ट के फैसले के अनुसार मेले के दूसरे दिन आयोजित होने वाले गोभा देवराजा रॉयल कोर्ट में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ 22 तिवा राजा मौजूद रहेंगे। असम सरकार के दो मंत्री रोनोज पेगू और पीयूष हजारिका सम्मानित अतिथि होंगे। इस राज दरबार में एक बार का राजभात (कर) तिवा राजाओं को दिया जाएगा।

8वें कामरूप जिला अंतर-क्लब एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप जिला खेल संघ के तत्वावधान में उत्तर गुवाहाटी एथलेटिक्स संघ 8वें कामरूप जिला अंतर-क्लब एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है। दो दिवसीय प्रतियोगिता शनिवार, 14 दिसंबर और रविवार, 15 दिसंबर को उत्तर गुवाहाटी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। भाग लेने वाले खिलाड़ियों के पास वैध यूआईडी कोड होना चाहिए। खिलाड़ियों को 10 दिसंबर को या उससे पहले कामरूप जिला खेल संघ के एथलेटिक्स सचिव परागज्योति बैश्य से संपर्क करने कहा गया है। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ लड़के और लड़की खिलाड़ियों को भाग्य बैश्य मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

गुवाहाटी में बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने बाइक चोरी मामले में शामिल एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान चोरी की दो बाइकों के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चोर की पहचान लालचंद अली (30) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी महानगर के विभिन्न इलाकों से बाइक चोरी कर बेचा करता था। बाइक चोरी मामले में गिरफ्तार आरोपी के अन्य सहयोगियों के होने की भी पुलिस ने आशंका व्यक्त की है। पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस गिरफ्तार बाइक चोर से सघन पूछताछ कर रही है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के टियोक के चिंतामणि गढ़ जेलेंगिटुप में रविवार की रात हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हादसा एक पेड़ से मोटरसाइकिल के टकराने के बाद हुआ। हादसे में एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। हादसे का शिकार हुए मोटरसाइकिल सवार अभिजीत राजखोवा (38) की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, गंभीर रूप से घायल युवक बिद्युत बोरा (28) की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

दिल्ली के पर्यटक की असम में मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में घूमने आए दिल्ली के एक पर्यटक की दिल का दौरा पड़ने की वजह से मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक दिन पहले अपनी पत्नी के साथ दिल्ली के उक्त पर्यटक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आए हुए थे। अपनी पत्नी के साथ मृतक आलोक गर्ग (65) कहरा वनांचल के धनश्री रिजॉर्ट में ठहरे हुए थे। सोमवार सुबह आलोक गर्ग की अचानक तबियत बिगड़ गई। जिसके बाद उनकी पत्नी ने घटना की जानकारी होटल प्रबंधन को दी। इसके बाद तुरंत इलाज के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। उन्नत चिकित्सा के लिए डॉक्टर ने बोकाखात शहीद कमला मिरी महकमा चिकित्सालय भेज दिया। जहां, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

असम नेपाली साहित्य सभा का 16वां त्रैवार्षिक अधिवेशन आयोजित

गोलाघाट (हिंस)। असम के विभिन्न हिस्सों के साथ ही पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, सिक्किम आदि के साहित्यकारों के साथ ही सरूपथार के शिवाजी रॉय समन्वय क्षेत्र में असम के विभिन्न जिलों से नेपाली साहित्य सभा के प्रतिनिधि और काठमांडू के गोरखा लोक कलाकार सोमवार को अपने यहां पहुंचे। उल्लेखनीय है कि असम नेपाली साहित्य सभा का 16वां त्रैवार्षिक अधिवेशन इस बार सरूपथार स्थित शिवाजी रे समन्वय मैदान में आयोजित किया जा रहा है। रविवार को आयोजित अंतिम प्रतिनिधिमंडल की बैठक में, असम नेपाली साहित्य सभा की अगली समिति के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और सचिव का चयन किया गया। सभी को उम्मीद है कि असम नेपाली साहित्य सभा की नई समिति नेपाली साहित्य को एक और आयाम देगी।

राज्यपाल ने *मिशन बाल स्वास्थ्य एवं साक्षरता* का किया शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को यहां उलुबाड़ी हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित एक समारोह में रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी की पहल पर *मिशन बाल स्वास्थ्य एवं साक्षरता* का शुभारंभ किया। इस परियोजना का उद्देश्य असम में बाल स्वास्थ्य एवं साक्षरता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करना है, जो राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि किसी राष्ट्र के भविष्य की ताकत उसकी शिक्षा और उसके बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में निहित है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को सही रास्ते पर लाना चाहिए और उनके सामने आने वाली चुनौतियों से पार पाने के लिए उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करनी चाहिए। *मिशन बाल स्वास्थ्य एवं साक्षरता* एक पहल है, जिसका उद्देश्य वंचित बच्चों, विशेष रूप से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। रोटरी क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी ने प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में अंतर को पाटने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया है। परोपकारिता के सांस्कृतिक लोकाचार पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति हमें दूसरों के कल्याण के लिए जीना सिखाती है। निस्वार्थता और सेवा के कार्यों के माध्यम से हम एक स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की पहल असम को एक मजबूत और उज्जवल भविष्य बनाने में मदद करेगी, साथ ही उन्होंने रोटरी क्लब को उसके इस नेक प्रयास के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कदम बच्चों के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लाएगा। इस कार्यक्रम में पूब गुवाहाटी के विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष डॉ. बीपी तोदी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

जंगली हाथियों के हमले में दो व्यक्तियों की मौत

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के नारायणपाड़ा इलाके में जंगली हाथियों द्वारा किए गए हमले में एक ही परिवार के दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय लोगों ने सोमवार को बताया कि जिले के बालिजान के नारायणपाड़ा इलाके में खाद्य की तलाश में घुसे जंगली हाथियों द्वारा किए गए हमले में एक ही परिवार की दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान संजय राय और उसके छोटे भाई की बीवी रूपाली राय के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके में जंगली हाथियों द्वारा पिछले दो महीने से जमकर उपद्रव मचाया जा रहा है। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसकी वजह से यह घटना हुई है। स्थानीय लोगों ने जंगली हाथियों के झुंड से निजात दिलाने के लिए वन विभाग से गुहार लगाई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पांच मवेशियों के साथ तस्कर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिले के डबका इलाके से पुलिस ने मवेशी चोरी मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है। डबका पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान बोलेरो वाहन (एएस-01आरसी-0837) से चोरी की पांच मवेशियां बरामद की गई। इस मामले में एक मवेशी चोर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार मवेशी चोर की पहचान स्वाकिर अहमद के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

खैराबाड़ी में शरणीया कछारी साहित्य सभा संपन्न

रंगिया (विभास)। शरणीया समुदाय के संगठनों में से एक शरणीया कछारी साहित्य सभा का दूसरा पूर्णांग त्रैवार्षिक अधिवेशन खैराबाड़ी के निकट स्थित गरंगपारा खेल मैदान प्रांगण में आयोजित किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रमो के साथ आयोजित इस अधिवेशन का शुभारंभ प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता रोहित चंद्र दास द्वारा मुख्य द्वार उद्घाटन के साथ किया गया। इसके पश्चात क्रमश: उत्तर पूर्वांचल रेनबो फाउंडेशन के अध्यक्ष पूर्णधर सैकिया द्वारा रभा का उद्घाटन, बीटीसी खैराबाड़ी क्षेत्र के पारिषद भवेंद्र बोड़ो द्वारा मंच का उद्घाटन, शरणीया कछारी गणतांत्रिक महिला मंच असम की अध्यक्षा जयमती बोरा द्वारा अतिथिशाला का उद्घाटन और प्रतिनिधि सभा भवन का उद्घाटन प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता विष्टिराम बोड़ो द्वारा किया गया, इसके अलावा पौधरोपण और गोसाईंघर के उद्घाटन के बाद सेमिनार का उद्घाटन उदालगुड़ी जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष गौरीशंकर दास द्वारा किया गया। वहीं डी वाई 365 की पत्रकार जुलिमा डेका ने शरणीया कछारी परिवेश्य कला प्रदर्शनी का उद्घाटन और पूर्व छात्र नेता धर्मेश्वर डेका ने शरणीया कछारी साहित्य सभा असम के आजीवन सदस्यों के प्रीति सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात लेखिका नलिनी डेका और सेवानिवृत्त प्रवक्ता जगत बोरा ने त्रैवार्षिक अधिवेशन की स्मारक ग्रंथ और मुखपत्र *हासदा* के विशेष अंक का उन्मोचन किया, शरणिया कछारी विकास परिषद के उपाध्यक्ष कुमुद दास ने प्रतिनिधिमंडल बैठक का उद्घाटन किया। वहीं अधिवेशन के दूसरे दिन का पहला कार्यक्रम 8 दिसंबर को लोकश्री सोनावर बरुवा के मुख्य ध्वजारोहण के साथ शुरू किया गया। स्मृति एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अलावा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख सांस्कृतिक कर्मी प्रफुल्ल लहकर ने किया। खुली बैठक का उद्घाटन शरणीया कछारी विकास परिषद के अध्यक्ष किशोर कुमार दास ने किया। शरणीया कछारी साहित्य सभा असम के पुन: निर्वाचित अध्यक्ष सोनबर बरुवा के संचालन में आयोजित खुली बैठक में उपस्थित बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने शरणिया जनजाति साहित्य सभा के विषय में भाषण प्रदान किया।

पूसीरे महाप्रबंधक ने विंटेज स्टीम इंजन *बेबी सेवक* को हरी दिखाई झंडी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसी रेलवे) के अधीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) पूरे वर्ष भर दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस अद्वितीय चमत्कार को बढ़ावा देने और संरक्षित करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूसी रेलवे ने सौ साल पुराने विंटेज स्टीम इंजन को पुनर्बहाल किया है, जिसे *बेबी सेवक* के नाम से जाना जाता है और इसे डीएचआर के कई आकर्षणों में शामिल किया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि इस उल्लेखनीय जीर्णोद्धार प्रयास का अनावरण 07 दिसंबर को घूम विंटर फेस्टिवल के दौरान किया गया, जहां स्टीम इंजन को आधिकारिक तौर पर पूसी रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाई। *बेबी सेवक* को अब घूम में गर्व के साथ प्रदर्शित किया गया है, जो पर्यटकों को रेलवे की समृद्ध विरासत से एक मजबूत लगाव प्रदान करता है। स्टीम इंजन *बेबी सेवक* की शुरुआत एक सौ साल से भी पहले जर्मनी के ओरेनस्टीन एंड कोप्पेल के एक कंट्रेक्टर के

लोकोमोटिव इंजन के रूप में हुई थी। ऐसा माना जाता है कि डीएचआर की तीस्ता घाटी और किशनगंज शाखाओं के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसका नाम तीस्ता घाटी लाइन पर स्थित सेवक स्टेशन से पड़ा। दशकों की सेवा के बाद, इंजन 1970 के दशक में सेवा से बाहर हो गया और 1990 के दशक के अंत में सिलीगुड़ी में प्रदर्शित किया गया था। वर्ष 2000 से यह घूम स्टेशन पर एक बाहरी प्रदर्शनी थी, जहां यह धीरे-धीरे जीर्ण-शीर्ण हो गई। इसके ऐतिहासिक महत्व को पहचानते हुए, स्टीम इंजन को तिनधरिया कारखाना लाया गया, जहां पूसी रेलवे के अपने कुशल कर्मचारियों द्वारा काफी बारीकी से जीर्णोद्धार किया, जिससे इसके मूल आकर्षण को संरक्षित करते हुए इसे पुनर्जीवित किया गया। *बेबी सेवक* स्टीम इंजन की बहाली डीएचआर की विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में एक माइलस्टोन है। यह प्रयास न केवल इतिहास के एक मूर्त टुकड़े को संरक्षित करता है, बल्कि अतीत के इंजीनियरिंग चमत्कारों का उत्सव मनाने के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में भी कार्य करता है। घूम में इसका प्रदर्शन पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध करता है, जिससे दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे की अनूठी विरासत की सराहना करने का अवसर मिलता है। डीएचआर के निरंतर संरक्षण और प्रोत्साहन को सुनिश्चित करने के लिए, पूसी रेलवे सक्रिय रूप से विभिन्न स्टेकधारकों, जिनमें टूर ऑपरेटर, सांस्कृतिक समूह और स्थानीय आबादी शामिल हैं, के साथ जुड़ता है। ये सहयोगी प्रयास इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्य को बढ़ाते हुए विरासत संरक्षण के महत्व पर जोर देते हैं।

संपादकीय

डल झील से डलहौजी

अपने संघर्ष अपनी ही नीतियों से हों, तो वक्त में खोया अवसर बहुत पीछे रह जाता है। हिमाचल की राजनीतिक दृष्टि के कारण राज्य स्तरीय अहमियत के टुकड़े बंटकर कई ऐसे अवसरों को बर्बाद कर चुके, वरना जो हमारी समृद्धि, गौरव व आर्थिकी के चिराग होते। कई ऐसे शिलालेख, शिलान्यासों की पट्टिकाएं, अधूरी इमारतों के खंडहर, योजनाओं के दस्तावेज और घोषणाओं के पन्ने मिल जाएंगे, जहां हिमाचल आज भी अपनी बेचारगी का मातम मनाता है। यही आश्चर्यबोध उस समय होता है जब किसी शहर की प्यास में हमारी जलापूर्ति सूख जाती है और यह वर्तमान परिस्थितियों में शिमला से लेकर धर्मशाला या किसी अन्य शहर की वास्तविकता में दर्ज हो रहा है। हम विद्युत उत्पादक राज्य होने के बावजूद अगर आपूर्ति में सक्षम नहीं हैं, तो यह विकास मॉडल का कसूर है। बेशक हर सरकार ने तराने बदले, लेकिन सुशासन का संगीत हमारी कार्यसंस्कृति की गवाही नहीं दे पाया। अस्पताल बढ़ गए और उनके दर्जे मेडिकल कालेजों तक पहुंच गए, लेकिन मरीज को यह विश्वास नहीं कि जीवन बचाने के लिए कहां पांव रखे। दरअसल आधारभूत मेडिकल चेकअप या तो इमरजेंसी सेवाओं में भ्रमित है या विशेषज्ञों की जमात के विश्लेषण कसूरवार हैं, नतीजतन हमारी स्वास्थ्य सेवाएं रोजाना पीजीआई, दिल्ली के एम्स, या चंडीगढ़-लुधियाना के अस्पतालों के पास पहुंच कर असफल घोषित हो रही हैं। अस्पतालों में मरने वाले मरीज सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि मुकाबला है कि कौन प्रदेश में मरा और कौन प्रदेश से बाहर निकल कर बच गया। उसे बढिया अस्पताल नहीं बचाते, बल्कि बढिया निरीक्षण-परीक्षण और चिकित्सकीय सरोकार बचाते हैं। खैर यह विवाद का विषय है कि हिमाचल का एम्स बिलासपुर में किस आधार का परिचायक है या चंबा मेडिकल कालेज को चलाने के लिए टीएमसी का कितना उधार है। हिमाचल की व्यापकता में हर विभाग को राज्य का मानचित्र बनाना होगा ताकि स्थानीयवाद के चक्करों में धन व अवसर बर्बाद न हो। सरकारी होटलों पर छाई मंदी और मायूसी प्रमाणित करती है कि हमने धन और अवसर गंवाए। सरकारी बसों से आगे निकलती निजी बसों की कहानी बताती है कि धन और अवसर का सदुपयोग क्या होता है। धन और अवसर के सदुपयोग के चिंतन-मनन पर अगर तर्कशील मार्ग प्रशस्त किया जाए, तो प्रदेश के बजट की महक अलग होगी, प्राथमिकताएं अलग होंगी। विकास को अब विरासत के रूप में लेना होगा यानी अतीत के स्तंभों की रक्षा तथा उनको समयानुसार सुदृढ़ करने की अभिलाषा पैदा करनी होगी। तात्पर्य यह कि हिमाचल के पहले मुख्यमंत्री वाईएस परमार और उसके बाद वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर के विकास मानचित्र को फिर से रेखांकित करना होगा। मसलन वाईएस परमार ने वानिकी विश्वविद्यालय के नींव पत्थर खोजे तो हम बागबानी राज्य बनने से कहां चूक गए। वीरभद्र सिंह ने नए व पुराने हिमाचल को जोडने के लिए शीतकालीन प्रवास का पुल बनाया, तो राजनीति पुलकित क्यों नहीं हुई। प्रेम कुमार धूमल ने सडक़ों के जरिए आर्थिकी का अलाव जलाया या पोलिथीन मुक्त राज्य का सफर शुरू किया, तो आज इन रास्तों से धूल कौन हटाएगा। जयराम ने निजी निवेश के परचम तले जमीन खोजी या डबल इंजन सरकार के पैगाम दिए, तो आज केंद्र से हिमाचली अधिकारों की बात पर भाजपा खामोश क्यों है। क्यों पर्यटन परियोजनाओं की अंतरराष्ट्रीय फंडिंग से हिमाचल को बाहर रहना पड़ रहा है। मुख्यमंत्रियों की पांत से अलग अपनी कडक़ सुशासन शैली के प्रतीक शांता कुमार से क्यों अलग राजनीतिक पोषण में सरकारें अब गारंटियां बांटने लगी हैं। मुकाबले बदल गए, सिंहासन बदल गए, लेकिन आर्थिक विषयों की पड़ताल नहीं बदली। कमोबेश मुख्यमंत्री सुक्खू के लहजे में कई मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मोदी के अक्स निकलते हैं, फिर भी हिमाचल के संदर्भ में कड़े फैसलों के कारण वह शांता कुमार के युग की याद दिलाते हैं।

> हिमाचल की राजनीतिक दृष्टि के कारण राज्य स्तरीय अहमियत के टुकड़े बंटकर कई ऐसे अवसरों को बर्बाद कर चुके, वरना जो हमारी समृद्धि, गौरव व आर्थिकी के चिराग होते। कई ऐसे शिलालेख, शिलान्यासों की पट्टिकाएं, अधूरी इमारतों के खंडहर, योजनाओं के दस्तावेज और घोषणाओं के पन्ने मिल जाएंगे, जहां हिमाचल आज भी अपनी बेचारगी का मातम मनाता है। यही आश्चर्यबोध उस समय होता है जब किसी शहर की प्यास में हमारी जलापूर्ति सूख जाती है और यह वर्तमान परिस्थितियों में शिमला से लेकर धर्मशाला या किसी अन्य शहर की वास्तविकता में दर्ज हो रहा है। हम विद्युत उत्पादक राज्य होने के बावजूद अगर आपूर्ति में सक्षम नहीं हैं, तो यह विकास मॉडल का कसूर है। बेशक हर सरकार ने तराने बदले, लेकिन सुशासन का संगीत हमारी कार्यसंस्कृति की गवाही नहीं दे पाया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित औसत मुद्रा स्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया

ब्याज दरों में अब कमी होनी ही चाहिए

प्रह्लाद सबनानी

> भारतीय रिजर्व बैंक के इतिहास में सबसे अधिक समय तक स्थिर रहने वाली रेपो दर है। इस बढ़ी हुई रेपो दर का भारत के आर्थिक विकास पर अब विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रत्येक दो माह के अंतराल पर मुद्रा नीति वक्तव्य जारी किया जाता है, परंतु पिछले 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास ने अपने वर्तमान कार्यकाल का अंतिम मुद्रा नीति वक्तव्य (मोनेटरी पॉलिसी स्टेट्मेंट) दिनांक 06 दिसम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे जारी किया है। इस मुद्रा नीति वक्तव्य में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं करते हुए इसे पिछले 22 माह से (अर्थात 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों से) 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह संभवतः भारतीय रिजर्व बैंक के इतिहास में सबसे अधिक समय तक स्थिर रहने वाली रेपो दर है। इस बढ़ी हुई रेपो दर का भारत के आर्थिक विकास पर अब विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रत्येक दो माह के अंतराल पर मुद्रा नीति वक्तव्य जारी किया जाता है, परंतु पिछले 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। जबकि, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर कुछ समय तक तो लगातार 6 प्रतिशत के सहनीय स्तर से नीचे बनी रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित औसत मुद्रा स्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया है। इसका आश्य यह है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर संभवतः वित्तीय वर्ष 2024-25 की तृतीय तिमाही में भी अधिक बनी रह सकती है। इसके पीछे खाद्य पदार्थों (विशेष रूप से फल एवं सब्जियों) की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि, एक मुख्य कारण जिम्मेदार हो सकता है। परंतु, क्या ब्याज दरों में वृद्धि कर खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है? उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर को आंकने में खाद्य पदार्थों का भार लगभग 40 प्रतिशत है। यदि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति में से खाद्य पदार्थों के भार को अलग कर दिया जाय तो यह आंकलन बनता है कि कोर पदार्थों की मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में बनी हुई है। खाद्य पदार्थों की कीमतों को बाजार में फलों एवं सब्जियों की आपूर्ति बढ़ाकर ही नियंत्रित किया जा सकता है, न कि ब्याज दरों में वृद्धि कर। इस वर्ष मानसून का पूरे देश में विस्तार ठीक तरह से नहीं रहा है, कुछ क्षेत्रों में बारिश की मात्रा अत्यधिक रही है एवं कुछ क्षेत्रों

बारिश की मात्रा बहुत कम रही है, जिसका प्रभाव खाद्य पदार्थों की उत्पादकता पर भी विपरीत रूप से पड़ा है, जिससे अंततः खाद्य पदार्थों की कीमतों में उच्छाल देखा गया है। बाद के समय में, अच्छे मानसून के पश्चात भारत में आने वाली रबी मौसम की फसल बहुत अच्छी मात्रा में आने की सम्भावना है क्योंकि न केवल फसल के कुल रकबे में वृद्धि दर्ज हुई है बल्कि पानी की पर्याप्त उपलब्धता के चलते फसल की उत्पादकता में भी वृद्धि होने की पर्याप्त सम्भावना है। इन कारकों के चलते आगे आने वाले समय में खाद्य पदार्थों की एवं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर निश्चित ही नियंत्रण के रहने की सम्भावना है। इससे, निश्चित ही रेपो दर को कम करने की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। साथ ही, अमेरिका सहित यूरोप के विभिन्न देशों में भी ब्याज दरों को लगातार कम करने का चक्र प्रारम्भ हो चुका है, जिसका प्रभाव विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। क्योंकि, यह वृद्धि दर द्वितीय तिमाही में घटकर 5.4 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के कम रहने के कई विशेष कारण रहे हैं। देश में लोकसभा चुनाव के चलते केंद्र सरकार को अपने पूंजीगत खर्चों एवं सामान्य खर्चों में भारी कमी करना पड़ी थी। इसके बाद विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनावों के चलते इन राज्यों द्वारा किए जाने वाले सामान्य खर्चों में अतुलनीय कमी की गई थी। जिससे अंततः नागरिकों के हाथों में खर्च करने लायक राशि में भारी कमी हो गई। दूसरे, इस वर्ष भारत में मानसून भी अनियंत्रित सा रहा है जिससे कृषि क्षेत्र में उत्पादन प्रभावित हुआ एवं ग्रामीण इलाकों में नागरिकों की आय में कमी हो गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों में अस्थिरता बनी रही, जिसके कारण भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात प्रभावित हुए। इस अवधि में विनिर्माण के क्षेत्र एवं माइनिंग के क्षेत्र में उत्पादन भी तुलनात्मक रूप से कम रहा। उक्त कारकों के चलते भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बहुत कम रही है। इस द्वितीय तिमाही में विभिन्न कम्पनियों के वित्तीय परिणाम भी बहुत उत्साहजनक नहीं रहे हैं। इनकी लाभप्रदता में आच्छानुरूप वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। कम्पनियों के वित्तीय परिणाम उत्साहजनक नहीं रहने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से सितम्बर, अक्टोबर एवं नवम्बर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली है। जिससे भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी सूचकांक में 3000 से अधिक अंकों की गिरावट दर्ज हुई है, निफ्टी सूचकांक अपने उच्चत्तम स्तर 26,400 से गिरकर 23,200 अंकों तक नीचे आ गया था। हालांकि अब यह पुनः बढ़कर 24,700 अंकों पर आ गया है और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक बार पुनः भारतीय शेयर बाजार पर अपना भरोसा जताते हुए अपने निवेश में वृद्धि करना शुरू कर दिया है। अब देश में कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में विधान सभा चुनावों एवं लोक सभा चुनाव के सम्पन्न होने के बाद केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अपने पूंजीगत खर्चों एवं सामान्य खर्चों में वृद्धि की जाएगी। साथ ही, भारत में त्यौहारी मौसम एवं शादियों के मौसम में भारतीय नागरिकों के खर्चों में अपार वृद्धि होने की सम्भावना है। त्यौहारी एवं शादियों का मौसम भी नवम्बर एवं दिसम्बर 2024 माह में प्रारम्भ हो चुका है। एक अनुमान के अनुसार नवम्बर माह में मनाए गए दीपावली एवं अन्य त्यौहारों पर भारतीय नागरिकों ने लगभग 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का व्यय किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के जनवरी 2025 माह (13 जनवरी) में प्रयागराज में कुंभ मेला भी प्रारम्भ होने जा रहा है जो फरवरी 2025 माह (26 फरवरी) तक चलेगा। यह कुम्भ मेला प्रत्येक 12 वर्षों में एक बार प्रयागराज में लगता है। एक अनुमान के अनुसार इस कुम्भ मेले में प्रतिदिन एक करोड़ नागरिक पहुंच सकते हैं। इससे देश में धार्मिक पर्यटन में भी अपार वृद्धि होगी।

दृष्टि कोण

दुनिया में भारत की बढ़ती अहमियत

यकीनन दुनिया में भारत की आर्थिक अहमियत बढने के एक के बाद एक नए-नए परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। पिछले माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 से 21 नवंबर तक ब्राजील, नाइजीरिया और गुयाना के पांच दिवसीय दौरे के दौरान जहां जी-20 शिखर सम्मेलन में भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता विषय पर प्रभावी संबोधन दिया, वहीं नाइजीरिया और गुयाना पहुंचकर इन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की सार्थक वार्ताएं की। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, ब्राजील, सिंगापुर, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे और स्पेन समेत कई देशों के नेताओं के साथ की गई 31 द्विपक्षीय और अनौचारिक वार्ताओं में भारत का रणनीतिक महत्व उभरकर दिखाई दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के वैश्विक व्यापार और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विदेश दौरों में द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की रणनीति लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। खास तौर से पिछले छह महीनों में इस रणनीति से द्विपक्षीय व्यापार के अच्छे अध्याय दिखाई दिए हैं। गत 13 से 15 जून को इटली में विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष आमंत्रित देश के रूप में भारत की अहमियत दिखाई दी है। इस मौके पर सम्मेलन में शामिल प्रमुख देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ भारत की द्विपक्षीय वार्ताएं लाभप्रद रही हैं। रत के लिए सबसे ठोस लाभ जी-7 की उस प्रतिबद्धता से उपजा, जिसमें कहा गया कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इस गलियारे के निर्माण की घोषणा गत वर्ष 2023 में भारत में जी-20 शिखर बैठक के समय की गई थी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि गत 9 जुलाई को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मास्को में भारत और रूस के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा के बाद भारत और रूस ने द्विपक्षीय कारोबार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने, व्यापार में संतुलन लाने, गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को दूर करने और यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू)-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की संभावनाएं तलाशने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने राष्ट्रीय मुद्रा का इस्तेमाल कर एक द्विपक्षीय निपटान प्रणाली स्थापित करने और पारस्परिक निपटान प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय उपकरणों को लाने की योजना बनाने की बात कही है। यह बात महत्वपूर्ण है कि मोदी ने जहां 21 सितंबर को अमेरिका में आयोजित क्वाड लीडर्स सम्मेलन में भाग लेकर इस संगठन की भारत के लिए उपयोगिता बढ़ाई, वहीं 22 सितंबर को न्यूयार्क में मोदी और जो बाइडेन के बीच हुई बातचीत में कोलकाता में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने का करार हुआ है। इसी प्रकार 10 अक्टूबर को लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रमकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि रूस के कजान में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भारत ने रणनीतिक लाभ लिया। भारत और चीन के बीच पांच साल बाद अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई। मोदी ने इस वार्ता के बाद कहा कि भारत और चीन के बीच संबंध महत्वपूर्ण हैं। निःसंदेह दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा और भारत का रणनीतिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। 22 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी के स्टटगार्ट में आयोजित 'न्यूज-9 ग्लोबल समिट' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार कर रही है और यह पिछले 10 वर्षों में अपनाए गए 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' मंत्र के कारण संभव हुआ है। 21वीं सदी में तीव्र विकास के लिए भारत में प्रगतिशील और स्थिर नीति-निर्माण की व्यवस्था लाई गई, लालफीताशाही हटाई गई।

कुछ अलग

बेघरों का बसेरा

कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा-महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख-दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों-ज्यों लोकतंत्र शिक्षित-विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है। वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत-फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं, लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्घाटन समारोहों का जिस जोर-शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

देश दुनीया से

बहुभाषी समाज से भारतीय एकता होगी सुदृढ़

वैश्वीकरण और प्रतियोगी दौर में विश्व के हर नागरिक को बहुभाषी होना जरूरी है। बहुभाषायी समाज केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा ढांचा है जो मानवता को विविधता, समरसता और प्रगति के रास्ते पर ले जाता है। इसे बनाए रखना और बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। समय-समय पर बहुत से देशों ने विविधता के कारण भाषा उत्सव मनाए हैं। एक भाषा उत्सव दुनिया भर के विभिन्न देशों के संगठनों द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषाओं और संस्कृतियों में रुचि रखने वाले लोगों को दुनिया की भाषाओं के बारे में पढ़ाना और जानकारी प्रदान करना और भाषा की समृद्धि और विविधता को दिखाना है। भाषा उत्सवों का उद्देश्य यह भी है कि दुनिया की सभी भाषाएं समान रूप से महत्वपूर्ण और मूल्यवान हैं, और कोई छोटी और बड़ी भाषाएं नहीं होनी चाहिए। सबका अपनी जगह औचित्य है। एक भारत श्रेष्ठ भारत, आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत भारतीय भाषा उत्सव की शुरुआत की गई। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भाषा सीखने को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष 'भाषा के माध्यम से एकता' थीम के साथ 4 दिसंबर से 11 दिसंबर, 2024 तक भारतीय भाषा उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान, भारतीय भाषा उत्सव के भव्य समापन के लिए गति तैयार करने के लिए गतिविधियों को सभी स्तरों पर आयोजित किया जाना है, यानी स्कूल, बीआरसी/सीआरसी/पंचायत, जिले (डीआईईटी सहित) राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर। 11 दिसंबर को महान राष्ट्रवादी तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती है, जो तमिलनाडु में स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक 'महाकवि भारती' के नाम से लोकप्रिय थे। भारतवर्ष में अनेकों पंथ और अनेकों भाषा के लोग निवास करते हैं। भारत में विविधता में एकता है। हिंदी, मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, गुजराती इत्यादि भाषाएं भारत में बोली जाती हैं। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए तथा उनका विकास करने के लिए सार्थक वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय भाषा महोत्सव मनाया जा रहा है। भारतीय भाषा महोत्सव को मनाने का सुझाव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिया गया। भारतीय भाषाओं को सद्भावनापूर्वक बढ़ावा देना इसका मुख्य उद्देश्य है। शिक्षण संस्थानों को 11 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस मनाने का सुझाव तथा इससे संबंधित निर्देश दिए गए हैं। भारतीय भाषा दिवस महान तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर मनाया जाता है। सुब्रमण्यम भारती बहुभाषायी थे। उन्हें कई भाषाओं का ज्ञान था। भारत के एक महान कवि तथा स्वतंत्र सेनानी थे। सुब्रमण्यम भारती को तमिल भाषा का अग्रदूत कहा जाता है। हालांकि संविधान की आठवीं अनुसूची में भारत की 22 भाषाएं शामिल हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। इस अनुच्छेद में यह व्यवस्था है कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इस तरह यह द्वंद्व हमेशा रहता था कि भारत में बड़ी मात्रा में हिंदी बोली जाती है, बल्कि दक्षिण भारत लोग इससे परहेज रखते थे। इसी दूरी को पाटने का काम तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती जी ने किया और यह संदेश दिया कि इनसानियत और आत्मीय गठजोड़ को और प्रगाढ़ करने के लिए बहुभाषीय होना अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थान में भाषा सद्भावना को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को विविध भाषा के महत्व तथा उनके बीच में जागरूकता निर्माण करना है। बहुभाषीय होने से एक अच्छी साहित्यिक समझ भी उत्पन्न हुई है। साहित्यिक बहुभाषावाद एक अच्छा माध्यम है जिससे विभिन्न ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक संदर्भों में विभिन्न भाषाओं या भाषा विविधताओं द्वारा उत्पन्न मूल्य निर्णयों को देखा जा सकता है। बहुभाषिक समाज में जिस तरह अन्य क्षेत्रों में संवाद अनुवाद के माध्यम से होता है, उसी तरह साहित्य के क्षेत्र में भी विभिन्न भाषाएं अनुवाद के माध्यम से एक-दूसरे के निकट आती हैं। पंजाबी, बांग्ला, कन्नड़, उडिया, तमिल, तेलुगु, मराठी आदि कवियों और लेखकों की रचनाएं हम अक्सर अपनी भाषा में पढ़ते हैं, उनका आस्वाद अपनी भाषा के माध्यम से लेते हैं। विशाल विविधता वाला हमारा देश हमेशा भाषा के रंग में एकता के सूत्र में पिरोने का काम भी करता है। बहुभाषीय होने के कारण मनुष्य हमेशा अधिगमकर्ता बना रहता है। हमेशा दूसरी संस्कृति को जानना, उसके साथ संवेगात्मक रिश्ता भी निभाता है। आज बहुभाषीय होने से विश्व पटल पर साहित्य की समझ और परख भी होती है। भारतीय भाषा महोत्सव के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों में विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के द्वारा छात्रों को विविध भाषा का ज्ञान मिल सके और अन्य भाषाओं में छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। अपनी मातृभाषा में महारत हासिल करने के अलावा अन्य भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए यह कार्यक्रम प्रेरित करता है। अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषा का सम्मान करना, उसमें रुचि पैदा करना, उसे सीखना, प्यार करना, समझना, यह इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इस तरह के कार्यक्रम के तहत हम पड़ोसी राज्य की भाषाएं लिखकर उसका लुत्फ उठा सकते हैं। भारतीय भाषा को महत्व देने का एक योग्य मार्ग है। आने वाले समय में शिक्षण संस्थानों में इस तरह के कार्यक्रम से भारत में विविधता में एकता बनाए रखने के लिए तथा बहुभाषी समाज की स्थापना करने के लिए यह कार्यक्रम अति उत्तम है। सभी नागरिकों को एक से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, ताकि समाज में संवाद मजबूत हो।

> बहुभाषायी समाज केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा ढांचा है जो मानवता को विविधता, समरसता और प्रगति के रास्ते पर ले जाता है। इसे बनाए रखना और बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। समय-समय पर बहुत से देशों ने विविधता के कारण भाषा उत्सव मनाए हैं। एक भाषा उत्सव दुनिया भर के विभिन्न देशों के संगठनों द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषाओं और संस्कृतियों में रुचि रखने वाले लोगों को दुनिया की भाषाओं के बारे में पढ़ाना और जानकारी प्रदान करना और भाषा की समृद्धि और विविधता को दिखाना है।

आप का नजरीया

राज्यसभा में 500 के नोट

संसद में यह क्या हो रहा है? हमें 2008 का वह दौर याद आता है, जब भारत-अमरीका परमाणु करार के कारण वामदलों ने यूपीए सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार अल्पमत में आ गई थी, लिहाजा नए सिरे से विश्वास-मत हासिल करना था। तभी एक दिन लंच के बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई थी कि भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने एक बैग खोला और नोटों की गड्डियां बिखेर दीं। सदन एकदम स्तब्ध हो गया। हम प्रेस-दीर्घा में बैठे हैरान हो गए, क्योंकि उससे पहले कभी भी ऐसी घटना नहीं देखी थी। भाजपा के तीन सांसदों ने आरोप लगाए थे कि सरकार के पक्ष में वोट देने के लिए उन्हें एक करोड़ रुपए की घूस दी गई है। किसने वह घूस दी? उस खेल का रणनीतिकार कौन था? घूस की बात किसने की और नकदी किसने दिया? बेशक ऐसे सवाल आज प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन तब सपा नेता अमर सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल सहित कुछ नाम उछले थे। बहरहाल सपा के तत्कालीन 39 सांसदों और अन्य छोटे दलों के सांसदों के समर्थन से मनमोहन सरकार ने विश्वास मत तो हासिल कर लिया था, लेकिन कथित नकदी घूसकांड के सूत्रधारों का क्या हुआ, उन्हें अदालत ने क्या दंड दिया, वह आज तक स्पष्ट नहीं है। मुख्य आरोपित सांसद दिवंगत हो चुके हैं। आज संसद में उस कांड की न तो किसी को चिंता है और न ही वह प्रासंगिक है। वह संदर्भ दोबारा ताजा होकर सामने है, क्योंकि राज्यसभा में सीट 222 पर 500 रुपए के नोट की गड्डी मिली है। यह सीट कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। उन्होंने साफ किया है कि इस गड्डी का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। वह तो सिर्फ 500 रुपए का एक नोट जेब में रखकर सदन आते हैं और उस दिन वह मात्र तीन मिनट के लिए ही संसद में आए थे। चूंकि नोटों की यह गड्डी सुरक्षा कर्मियों की नियमित, रोजाना जांच के दौरान मिली थी, लिहाजा सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सदन को खुलासा किया। यह जानकारी देने को वह बाध्य भी थे। नोट असली थे या नकली थे अथवा उन पर कोई रसायन लगाया गया था, ये स्पष्टीकरण संपूर्ण जांच के बाद ही सार्वजनिक हो सकते हैं। अलबत्ता उचित, नियमानुसार जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। सवाल यह है कि वे 50,000 रुपए सदन के भीतर कहां से आए? संसद परिसर में बैंक शाखा भी है और सांसद, संसदकर्मी वहां जाकर लेन-देन करते रहे हैं। सांसद कितनी नकद राशि लेकर सदन के भीतर जा सकते हैं, इस पर कोई तय नियम-कानून नहीं है। कोई भी सांसद कितनी भी करेंसी अपने साथ लेकर सदन में प्रवेश कर सकता है। बहरहाल 500 रुपए वाले प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो रही है। सदन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को निकाला जा रहा है। उनसे यह स्पष्ट हो सकेगा कि नोटों की गड्डी राज्यसभा में किस तरह आई? इस मुद्दे पर सदन के भीतर सियासी उबाल की स्थिति है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

केंद्र व राज्य सरकार का उद्देश्य किसान किसी के सामने हाथ न फैलाएं : मुख्यमंत्री

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद किसानों के नाम पर राजनीति बहुत लोगों ने की लेकिन किसान राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन सके, 2014 में ईमानदारी से यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। प्रधानमंत्री ने मृदा परीक्षण कार्ड जारी किया। प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई जैसी योजनाएं चलाई गईं। यूपी में सात वर्ष में 23 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा देकर किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाया गया। 2021 में प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड में अर्जुन सहायक परियोजना का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इसके पहले यहां के किसानों को प्रति बीघा पांच हजार रुपए सालाना मिलता था लेकिन लोकार्पण के दो वर्ष बाद वहां के किसानों ने बताया कि उन लोगों ने उन्हीं क्षेत्रों में प्रति बीघा 50 हजार रुपए की आमदनी की। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत एक लाख किसान को सोलर पैनल देने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। 14 लाख से अधिक किसानों के निजी ट्यूबवेल की बिजली माफ की गई। यूपी में 2017 में सरकार आते ही 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपए का ऋण माफ किया गया। पीएम मोदी के नेतृत्व में किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम मिला। अन्नदाता किसानों को हाथ न फैलाना पड़े। इस उद्देश्य से देश में 12 करोड़ और यूपी में 2.62 करोड़ कृषकों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित *कृषिका-खेती से समृद्धि की ओर* कार्यक्रम में सोमवार को अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने समाचार पत्र के रचनात्मक कार्यक्रमों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने 11 किसानों को चेक, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत पहले से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का देश माना जाता था। उत्तर प्रदेश में आज भी लगभग 30 फीसदी शहरीकरणों को छोड़ दें तो 70 फीसदी भूभाग ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित है और यह आय-रोजगार का महत्वपूर्ण साधन भी है। देश की 17 फीसदी आबादी यूपी में निवास करती है। यूपी के पास देश की कृषि योग्य भूमि केवल 11 फीसदी है लेकिन इस पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन होता है। यूपी में 235 लाख हेक्टेयर में से 161 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती-किसानी होती है। इसमें से 86 फीसदी भूमि सिंचित व अत्यंत उर्वरा है, इसलिए 11 फीसदी भूमि होने के बावजूद उप्र का किसान लगभग दोगुना खाद्यान्न उत्पादन करता है। देश और दुनिया की जितनी फर्टिलाइज लैंड, जल संसाधन यूपी के पास है, वह अन्य कहीं भी नहीं है। अगर अन्नदाता किसानों के प्रोत्साहन के लिए थोड़ा सा कार्य कर लें, उन्हें तकनीक से जोड़ लें। समय पर अच्छे बीज उपलब्ध हो जाएं तो 20 फीसदी से तीन गुना अधिक खाद्यान्न उत्पादन का सामर्थ्य यूपी का किसान रखता है और अकेले यूपी देश-दुनिया का पेट भर सकता है। मुख्यमंत्रीने कहा कि प्रदेश के अंदर सिंचाई के दायरे को बढ़ाया गया। यूपी में 3500 से अधिक एफपीओ कार्य कर रहे हैं। वेयरहाउस बनाए गए और उनकी संख्या बढ़ाई गई। पहले गन्ने के सीजन में किसान आंदोलन करता था। अब यूपी में 120 चीनी मिलें चल रही हैं। इसमें से 100 मिलें एक सप्ताह के अंदर भुगतान कर रही हैं। आज यूपी गन्ना, चीनी व एथेनॉल उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। देश का 25 फीसदी आलू उत्पादन और 30 फीसदी मक्का उत्पादन यूपी का किसान कर रहा है। धान, गेहूं, दलहन-तिलहन में भी किसानों ने कीर्तिमान स्थापित किया है। अन्नदाता किसानों की मेहनत व डबल इंजन सरकार के प्रयास से यूपी फिर से खाद्यान्न की टोकरी के रूप में गौरव प्राप्त कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश में सर्वाधिक गोवंश पालने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। यहां सरकारी गोशालाओं में 12 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश हैं। सरकार निराश्रित गोवंश की देखभाल कर रही है। उनके लिए तीन प्रकार की योजनाएं भी चला रही हैं। इसका उद्देश्य एक तरफ गोरक्षा तो दूसरी तरफ जहरमुक्त खेती के लिए किए जाने वाला प्रयास है। केंद्र व राज्य सरकार मिलकर यूपी में 1.15 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में प्राकृतिक खेती कर रही है। गंगा जी के तटवर्ती 27 जनपदों व बुंदेलखंड के सातों जनपदों में इसे प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके एक्सपर्ट गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता का संकल्प ही प्राकृतिक खेती के बारे में लोगों को जागरूक करना है। प्राकृतिक पद्धति से खेती में प्रति एकड़ 12 से 15 हजार की बचत होती है।

वसुंधरा राजे ने की सीएम भजनलाल की तारीफ
कहा, प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री को अच्छे मार्क्स दिए

जयपुर (हिंस)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट कार्यक्रम का सोमवार को जयपुर में आगाज हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जेईसीसी पहुंचकर इसका उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी टीम के काम की तारीफ की। कार्यक्रम समाप्ति के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री ने हमारे मुख्यमंत्री को इतने अच्छे मार्क्स दिए हैं, इसका मतलब यह है कि पूरी सरकार ने मिलकर गहलोत सरकार के बाद एक साल में जो बदलाव किए हैं, वो रंग लाए हैं। राजे ने कहा कि आज जो देखने को मिला है। उसका फल आएगा। राजस्थान पर इसका पूरा असर होगा। आज जो आप देख रहे हैं, ये जमीन पर आते ही नौकरी और इकोनॉमी के साथ राजस्थान का रंग बदलने का मौका मिलेगा। मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि यह सब जल्दी से जल्दी जमीन पर आ जाए। अगले चार सालों में राजस्थान को अच्छे से फलते-फूलते देखने का मौका मिले। राजे ने कहा कि हमारा अगला कदम क्या हो सकता है? उस पर प्रधानमंत्री ने आज हमें एक खाका खींचकर दिखा दिया है। मुझे लगता है, अभी शुरुआत है। हमने एक फाउंडेशन के रूप में इसे शुरू करने का काम किया है। अगर इन कदमों पर हम चलते रहेंगे, राजस्थान नई ऊंचाइयों को छू लेगा। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए राजे ने कहा कि उन्हें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

गुप्त वृंदावन धाम में गीता जयंती महोत्सव

जयपुर (हिंस)। भगवदगीता भगवान कृष्ण की वाणी है और गीता जयंती वह पवित्र दिन है जब भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में भगवत गीता का दिव्य उपदेश दिया। जयपुर के गुप्त वृंदावन धाम में इस पवित्र दिवस को मनाने के लिए महायोजन किया जा रहा है। ग्यारह दिसंबर को गीता जयंती पर मंदिर मे दिन भर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण बलराम का विशेष अलंकार किया जाएगा। सभी भक्त एक साथ मिलकर गीता के 700 श्लोकों का पाठ करेंगे। जिससे पूरे गुप्त वृंदावन धाम का वातावरण दिव्य हो जाएगा। संध्या के समय गीता महायज्ञ का आयोजन होगा। जिसमें हजारों भक्त हिस्सा लेंगे। गीता जयंती के अवसर पर गुप्त वृंदावन धाम में गीता कांटेस्ट, गीता दान एवं वितरण महोत्सव, इंटरनेशनल गीता ओलंपियाड और बुक मैराथन जैसे विशेष कार्यक्रमों का शुभारंभ किया जाएगा।

उदयपुर में होटल को बम से उड़ाने की धमकी

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर के सूरजपोल स्थित होटल *द आर्टिस्ट हाउस* को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। होटल की ऑफिशियल मेल आईडी पर रविवार रात 2:45 बजे एक धमकी भरा मेल आया। सुबह 9:00 बजे होटल मैनेजर ने मेल चेक किया और तुरंत सूरजपोल थाना पुलिस को सूचना दी। मेल में लिखा था, मेरा नाम व्लाद केनर है। मैंने होटल के आसपास 5 पाइप बम लगाए हैं, जो सुबह 9:30 बजे ब्लास्ट होंगे। यह भारतीयों के प्रति मेरी घृणा का परिणाम है। हमारा ग्रुप केएनआर भारत को आतंकित करेगा। पुलिस और डॉग स्क्वॉड ने मौके पर पहुंचकर होटल और आस-पास के इलाके की तलाशी ली। धमकी के कई घंटे बाद भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। फिलहाल होटल और आस-पास की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

ओशो ध्यान उपवन में चार दिवसीय ओशो जन्मोत्सव धूमधाम से शुरू

हिसार (हिंस)। जन-जन को सतगुरु ओशो की देशनाओं से साक्षात्कार करवाने के उद्देश्य से सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में चार दिवसीय ओशो जन्मोत्सव की शुरुआत धूमधाम से की गई। आचार्य स्वामी निरुपम जी, स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को सतगुरु ओशो की शिक्षाओं से रूबरू करवाया और ध्यान की सरल विधियों का अभ्यास भी करवाया। स्वामी संजय ने सोमवार को बताया कि 11 दिसंबर तक चलने वाले इस चार दिवसीय ओशो जन्मोत्सव व ध्यान शिविर में विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। साधकों को सक्रिय ध्यान, गुरजिएफ ध्यान विधि, नाभि केंद्र जागृत करने, अपने भीतर गहराई को समझने और ओशो की कृपा को अनुभव करने पर आधारित ध्यान करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर को दोपहर को सभी साधकों के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई है। स्वामी संजय ने साधकों के साथ अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस संबंधी जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने भारत द्वारा सह-प्रायोजित प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए 21 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित किया है। स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने बताया कि कि 11 दिसंबर को ओशो के 93वें जन्मदिवस पर सोनीपत के श्री रजनीश ध्यान मंदिर में महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस उपलक्ष्य मंन 10 से 15 दिसंबर तक ओंकार ध्यान की साधना चलेगी। ओशो दिवस के एक दिन पूर्व से ही मेडिटेशन-सेलीब्रेशन में साधक शामिल हो जाएंगे। 24 से 29 दिसंबर तक सोनीपत के श्री रजनीश ध्यान मंदिर में अकेलापन और भय से मुक्ति की साधना संपन्न होगी।

जापान और राजस्थान की पार्टनरशिप होगी और अधिक मजबूत : संसदीय कार्य मंत्री पटेल

जयपुर (हिंस)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के पहले दिन हुए कंट्री सेशन (जापान) में *वर्सेटिलिटी ऑफ इंडस्ट्रीज-मैन्युफैक्चरिंग एंड बियोंड* विषय पर जापान और राजस्थान के जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और निवेशकों ने विस्तार से मंथन किया। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि जापान के साथ राजस्थान के साथ लगभग डेढ़ दशक पुराने रिश्ते रहे हैं। जायका और जेट्रो कई वर्षों से राज्य के साथ जुड़कर बेहतरीन काम कर रहे हैं। नीमराना में जापान की करीब 48 कंपनियों के द्वारा अच्छा निवेश किया है। उन्होंने बताया कि कंपनियों को निवेश का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार नए डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर बना रही है। आने वाला वर्षों में दोनों देशों के मध्य निवेश का रिश्ता और अधिक मजबूत होगा। जयपुर विकास प्राधिकरण की आयुक्त एवं जापान की ऑफिसर इंचार्ज आनंदी ने कहा कि राज्य सरकार ने जापानी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए इंडस्ट्रियल पार्क, डेडीकेटेड कोरिडोर बनाने के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। जापानी कंपनियों का प्रदेश के प्रति अटूट विश्वास और गहरा रिश्ता भी है। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए कई अन्य क्षेत्रों में खासी गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि जापान का रोबोटिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोकेमिकल में सहयोग राज्य के लिए बेहतर परिणाम देगा। भारत में जापान के राजदूत किची ओनो ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा जापानी कंपनियों को निवेश का बेहतर माहौल उपलब्ध करवाया है। 2014 के बाद जापानी निवेश न केवल देश बल्कि राजस्थान में भी बढ़ा है। भारत में होने वाले निवेश का 5 प्रतिशत राजस्थान में होता है। जापान कंपनियां आने वाले दिनों में रिन्यूएबल एनर्जी और रोबोटिक्स में निवेश करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सोलर प्रॉमिसिंग एरिया है कंपनियां इसमें भी निवेश करने से नहीं चूकेंगी। सेशन में एमपिन एनर्जी ट्रांजैक्शन प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक पिनाकी भट्टाचार्य ने *वर्सेटिलिटी ऑफ इंडस्ट्रीज-मैन्युफैक्चरिंग एंड बियोंड* विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कैंडी सोलर के मैनेजिंग डायरेक्टर निशांत सूद ने *इंपॉर्टेंस ऑफ फाइनेंसिंग ऑप्शंस फॉर सोलर अडॉप्शन इन इंडस्ट्रीज* के बारे में बताया ओर इस बारे में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस बीच इन्वेस्ट इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर निवृति रॉय और जेट्रो के मा मुख्य प्रबंधक तकाशी सुजुकी ने अपने अपने अनुभव साझा किए।

नशा के खिलाफ मुहिम चलाने वालों पर ईंट-पत्थरों से हमला, महिलाओं ने छत से बरसाए पत्थर

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के जाखल क्षेत्र में नशे के खिलाफ मुहिम चलाने वाले लोगों पर सोमवार को कुछ लोगों द्वारा ईंट-पत्थरों से हमला बोलने का समाचार है। हालांकि इस मामले में किसी को चोट नहीं आई है। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें कुछ लोग मकान की छत से लोगों पर पत्थर बरसाते नजर आ रहे हैं। इसके बाद काफी संख्या में लोग जाखल थाने पहुंचे और रोष प्रकट करते हुए आरोपियों पर तुरंत सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इन लोगों ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पुलिस ने सख्त कार्रवाई नहीं की तो पंचायत बुलाकर अपने स्तर पर सख्त कार्रवाई को मजबूर होंगे। जाखल थाने में मौजूद दुल्ला राम व अन्य ग्रामीणों ने सोमवार को बताया कि जाखल की बाजीगर बस्ती नशे का अड्डा बन गई है। यहां के कुछ लोग लगातार नशे का कारोबार कर रहे हैं, जिससे युवा पीढ़ी नशे की दलदल में फंस रही है। उन्होंने बताया कि 3 साल पहले इन लोगों की प्रॉपर्टी पर सरकार ने पीला पंजा चलवाया था, लेकिन उसके बाद से फिर से यह लोग सक्रिय हो गए हैं। इन लोगों ने बताया कि वह कई बार जाखल पुलिस से नशे का अवैध धंधा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुके हैं लेकिन पुलिस गश्त करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रही है। इन लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नशा बेच-बेचकर इन लोगों की प्रोपर्टी लगातार बढ़ रही है जबकि अनेक परिवार उजड़ रहे हैं। पुलिस को सब जानकारी होने के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। सोमवार को भी जाखल के काफी लोग इस मामले में इन संदिग्ध लोगों के घरों पर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने छतों से उन पर ईंटें बरसानी शुरू कर दी। पत्थर फेंकने वालों में महिलाएं भी शामिल थी। इस बारे जाखल गांव के सरपंच अर्जुन सिंह का कहना है कि वे नशे का कारोबार करने वालों को भाईचारे से कई बार समझा चुके हैं, लेकिन वे समझ नहीं रहे। इस मामले में जाखल थाना प्रभारी जसवंत सिंह का कहना है कि पुलिस लगातार नशे का कारोबार करने वालों को राऊंडअप कर रही है। जो भी व्यक्ति संदिग्ध लगता है, उनके घर पर रेड करके तलाशी ली जा रही है।

शहीद सेनानियों के आश्रितों के लिए एनएसएस चला रहा अभियान

भागलपुर (हिंस)। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय को प्रेषित सशस्त्र सेना झंडा दिवस फ्लैग और कार स्टीकर के बिक्री के लिए अध्यक्ष छात्र कल्याण द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक तथा मुख्यालय अवस्थित एनसीसी के अए एन ओ के साथ सोमवार को बैठक की गई और उन्हें विश्वविद्यालय को प्राप्त कुल 1200 टिकट और 100 कार स्टीकर का वितरण कर धन संग्रह की जिम्मेदारी दी गई। संग्रहित धन को गृह मंत्रालय के अधीन गठित आर्मी वेलफेयर एसोसिएशन को भेजा जाएगा। जिसे शहीद वीर सेनानियों और उनके आश्रितों के लिए खर्च किया जाता है। इस संपूर्ण कार्यक्रम की निगरानी स्वयं कुलपति कर रहे हैं। उन्होंने सर्वप्रथम टिकट और कार स्टीकर खरीद कर अपना सहयोग राशि समर्पित किया। डॉक्टर राहुल कुमार ने बताया कि इस पूरे कार्यक्रम के लिए एक टीम गठित कर दी गई है।

वेद मंत्रोच्चारण के साथ भव्य गीता महोत्सव का हुआ आगाज

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा की पावन धरा पर गीता का उपदेश देने वाले परमयोगी भगवान श्रीकृष्ण एवं माता शीतला की आरती-वंदना तथा यज्ञ-हवन में पूर्णाहुति के साथ उपायुक्त अजय कुमार ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ किया। जिला परिषद स्वतंत्रता सेनानी स्मारक प्रांगण में ढोल-नगाड़ों और बीन वादकों की मधुर स्वर लहरियों के साथ धूमधाम से इस भव्य आयोजन की शुरुआत की गई। जिला प्रशासन तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के तत्वावधान में आयोजित किए गए अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज करते हुए उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि गीता हमें निरंतर कर्मयोग में लीन रहने का ज्ञान करवाती है। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने अर्जुन को माध्यम बनाकर समूची मानव जाति को निःस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्य को पूर्ण करने की शिक्षा दी। विशेषकर आज के प्रतियोगी युग में विद्यार्थियों को परिणाम की चिंता में ना डूबकर पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। यही तथ्य विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे कर्मचारियों पर भी लागू होता है। सफलता उसी को प्राप्त होती है, जो कर्मशील होता है। इससे पहले श्री शीतला माता श्राइन बोर्ड के आचार्य ने उपायुक्त के कर-कमलों से समिधा प्रज्जवलित कर वेद मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ को सम्पन्न करवाया। उसके बाद उपायुक्त ने इस महोत्सव के नोडल अधिकारी एडिशनल लेबर कमिश्नर कुशल कटारिया व जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मूर्ति के साथ गीता जी, भगवान श्रीकृष्ण तथा मां शीतला देवी की पूजा-अर्चना की और दीप प्रज्जवलित किया। मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय कुमार ने आयोजन स्थल पर लगाई गई आकर्षक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यहां सभागार के मंच पर उपायुक्त के समक्ष राजकीय कन्या महाविद्यालय व सुशांत लोक की छात्राओं ने मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनके अलावा छात्र हर्ष कुमार ने अपनी पार्टी के साथ मिलकर सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कलाग्राम सोसायटी की कलाकार संस्कृति शर्मा, अनुराधा, रुपाली, प्रियंका और कन्या महाविद्यालय की छात्रा रिया ने कत्थक नृत्य में अपनी भाव-भंगिमाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रिया शर्मा, डॉ. मोनिका, प्रो. ललिता, जिला बागवानी अधिकारी डॉ. नेहा यादव, दयाचंद, हैफेड मैनेजर राजेंद्र गिल, शिक्षक सत्यवान शास्त्री, जेपी यादव, वित्तीय शिक्षक पुण्यपाल इत्यादि मौजूद रहे।

संभल हिंसा के आरोपियों की दिल्ली उत्तराखंड समेत पांच राज्यों में तलाश जारी

मुरादाबाद (हिंस)। संभल हिंसा के फरार आरोपियों की तलाश में उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश में चल रही है। पुलिस की 10-11 टीमें लगातार ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। संभल में बवाल वाली जगह से बरामद हुए पाकिस्तान और अमेरिका में निर्मित कारतूसों के तस्करों की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस के साथ खुफिया तंत्र, एटीएस भी कड़ी मशक्कत कर रही है। पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि संभल में अब पूरी तरह से शांति कायम है। संभल हिंसा वाले स्थान से बरामद विदेशी कारतूसों के बारे में विस्तार से जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि बीते माह 24 नवंबर की सुबह संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इस दौरान पथराव और फायरिंग हुई, जिसमें पांच लोगों

की मौत हो गई थी। मामले में अब तक तीन महिला समेत 35 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस ने फुटेज की मदद से अब तक 400 लोगों के फोटो जारी किए हैं, जिन्होंने पुलिस प्रशासन के लोगों पर पथराव किया था। इसमें सौ से ज्यादा आरोपियों की पहचान हो चुकी है। इन आरोपियों की तलाश में पुलिस उनके घरों पर दबिश दे रही हैं, लेकिन अधिकांश घरों पर ताले लटके हैं। जिन घरों में ताले नहीं लगे हैं वहां केवल महिलाएं या बच्चे मौजूद हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 10 टीमें लगाई गई हैं। यह टीमें चिन्हित किए गए सौ आरोपियों की तलाश में उनके परिचितों, रिश्तेदारों के घरों पर प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही दूसरे राज्यों में भी दबिश दे रही हैं। कुछ लोग बाहर रोजगार भी करते हैं, इसलिए पुलिस टीमें उनके काम करने की जगह पर भी छापा मार रही हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। इस बाबत पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी ने कहा कि संभल में अब पूरी तरह से शांति है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर संभल में बवाल करने और कराने वालों के चेहरे बेनकाब हो जाएंगे। बरामद विदेशी कारतूसों के बारे में विस्तार से जानकारी जुटाई जा रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार पर होगा बड़ा प्रदर्शन, लखनऊ में जुटेगें पचास हजार लोग

लखनऊ (हिंस)। बांग्लादेशी हिंदू रक्षा संघर्ष समिति ने मंगलवार अर्थात दस दिसंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय के मैदान में पचास हजार लोगों के पहुंचने का आह्वान किया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में लखनऊ में यह अभी तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन होगा। बांग्लादेशी हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के तमाम कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बड़े प्रदर्शन की तैयारी पूरी कर ली है। संघर्ष समिति में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे आकाश मिश्रा और उनके साथियों ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार जारी है। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध देशभर में प्रदर्शन हो रहे है। इसी में उत्तर प्रदेश की राजधानी में लखनऊ विश्वविद्यालय के खेल मैदान में अपराह्न दो बजे के करीब प्रत्येक हिंदू को पहुंचने का आह्वान किया गया है। आकाश ने कहा कि राष्ट्र हित चिंतकों के समूह ने बांग्लादेशी हिंदू रक्षा संघर्ष समिति गठन किया है। ये समिति बड़े प्रदर्शन के बाद भी चुप नहीं बैठेगी और हिंदुओं पर अत्याचार नरसंहार रूकने तक संघर्ष करेगी। इसी क्रम में

लखनऊ में कुछ स्थानों पर विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम हुए है। फिर भी एक बड़े विरोध प्रदर्शन की जरूरत है, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में होने जा रहे विरोध प्रदर्शन में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी पहुंचने के लिए कहा गया है। पूरे प्रदर्शन के दौरान हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों को भी अपने संगठन के लोगों तक प्रदर्शन की जानकारी देने के लिए आग्रह किया गया है।

शहीद सेनानियों के आश्रितों के लिए एनएसएस चला रहा अभियान

भागलपुर (हिंस)। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय को प्रेषित सशस्त्र सेना झंडा दिवस फ्लैग और कार स्टीकर के बिक्री के लिए अध्यक्ष छात्र कल्याण द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक तथा मुख्यालय अवस्थित एनसीसी के अएएनओ के साथ सोमवार को बैठक की गई और उन्हें विश्वविद्यालय को प्राप्त कुल 1200 टिकट और 100 कार स्टीकर का वितरण कर धन संग्रह की जिम्मेदारी दी गई। संग्रहित धन को गृह मंत्रालय के अधीन गठित आर्मी वेलफेयर एसोसिएशन को भेजा जाएगा। जिसे शहीद वीर सेनानियों और उनके आश्रितों के लिए खर्च किया जाता है। इस संपूर्ण कार्यक्रम की निगरानी स्वयं कुलपति कर रहे हैं। उन्होंने सर्वप्रथम टिकट और कार स्टीकर खरीद कर अपना सहयोग राशि समर्पित किया। डॉक्टर राहुल कुमार ने बताया कि इस पूरे कार्यक्रम के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। जिसमें मृगांकी, निधि, गौतम, आनंद, शुभम, आर्यन,

नीतीश करण आदि स्वयंसेवक शामिल हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं हिंदू मठ-मंदिरों को तोड़े जाने से आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को फारबिसगंज पोस्ट ऑफिस चौक पर बांग्लादेशी प्रधानमंत्री यूनुस खान का पुलता दहन किया। इस दौरान बांग्लादेश सरकार और प्रधानमंत्री यूनुस खान के विरोध में जमकर नारे लगाए। पुतला दहन कार्यक्रम का नेतृत्व बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने किया। मौके पर बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही बर्बरता किसी से छिपा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक मुसलमान को भारत में जब इतनी सुरक्षा है तो फिर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ इतना अत्याचार क्यों। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की कार्यशैली पर प्रश्न खड़ा करते हुए कहा कि जब आतंकवादी अफजल गुरु जैसे दरिंदे को फांसी होने पर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन प्रश्न खड़ा कर सकता है तो बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही नरसंहार पर चुप्पी क्यों है। उन्होंने भारत सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए अविलंब कड़ा एक्शन लेने की वकालत की। मौके पर बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी के अलावा जानू मंडल, अंकित गुप्ता, राहुल राय, यशवंत शर्मा, राहुल सोनी, मोहन सोनी, अर्जुन राजभर, सोनू कुमार, आदित्य वर्धन, राजेश सोनी, गोलू शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये से लेकर 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये से लेकर 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है।

चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी समूह राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ का करेगा निवेश, कंपनी पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी

जयपुर। अदाणी समूह ने राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी। यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा जैसे ऊर्जा, हाइड्रोजन और जलविद्युत परियोजनाएं आदि। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है। यहां हुए राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में इस विशाल निवेश की योजना बनाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अदाणी समूह की दृष्टि में राजस्थान में उद्यमिता और विकास के लिए अच्छी खबरें हैं। इस निवेश से समृद्धि की कविता और विकास की कहानी में नया अध्याय शुरू होने का इन्तजार है। आगामी समय में इस निवेश से राजस्थान को एक नया रूप मिलने के उम्मीद है।

भारत में एफडीआई ने एक नया कीर्तिमान बनाया, 1 ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली। बढ़ते चीनी टेंशन के मद्देनजर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान एफडीआई प्रवाह ने 1000 अरब डॉलर को पार करके 1033.40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत को एक वैश्विक निवेशकों के लिए मुख्य निवेश स्थल के रूप में स्थिर रखता है। इस अवधि के दौरान एफडीआई से मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, ब्रिटेन, यूएई, और कई अन्य देशों से निवेश आया। इन निवेशों का मुख्य धारा वाणिज्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, आयात-निर्यात, औद्योगिक विकास, ऑटोमोबाइल, रसायनिक उत्पादन, और दवा क्षेत्र में था। इस उच्च वृद्धि के साथ भारत में एफडीआई आगे बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां अपने व्यापार की राह देख भारत को पसंद कर रही हैं। आगे बढ़ते भारत को धीरे-धीरे एफडीआई में सक्रिय होने के संकेत हैं, जिनके पीछे चीन के राजनीतिक सीने में उठाए गए उत्पीड़न का भय का। यह वाणिज्यिक सेवाओं में सुधार, उत्पादक सेक्टर में वृद्धि, और व्यवसायिक पर राष्ट्रीय कारोबार में व्यापारिक आकार में हो सकता है। यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी, जिससे दोनों देशों के बीच एक नए एकांकी निकलेगा। इस तरह के उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी।

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी, 10 साल में संपत्ति तीन गुना बढ़ी, अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान

नई दिल्ली । भारत में अरबपतियों की संख्या ने एक और बड़ी ऊंचाई पर छू ली है, जैसे अमेरिका और चीन के बाद यहां अरबपतियों की सबसे अधिक संख्या है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि सालभर में इन धनवानों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि भी हुई है। अमेरिका स्थित एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 32 नए अरबपति इस साल जुड़े हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में नए सफलता के संकेत दर्शाते हैं, दिखाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से उभार की दिशा में अग्रसर हो रही है। टेक सेक्टर में भी अरबपतियों की संपत्ति में भयानक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे जुड़ी उछाल के पीछे जनरेटिव एआई, साइबर सुरक्षा, फिनटेक और रोबोटिक्स में ग्रोथ और निवेश के माध्यम से दौलत की वृद्धि हुई है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,090.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 156.25 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,856.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,559.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,308.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 1.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,426.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,384.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,146.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,238.66 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.34 प्रतिशत उछल कर 7,407.54 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,708 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत फिसल कर 3,790.06 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,368.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 112.38 अंक यानी 0.57 प्रतिशत फिसल कर 19,753.47 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत टूट कर 1,448.70 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,390.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने की तैयारी

सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कमी करने का लिया निर्णय

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने का तैयारी कर ली है। यह योजना निवेशकों को सोने की कीमत के बराबर भुगतान और ब्याज हासिल कराती थी, जिससे सरकार का वित्तीय बोझ बढ़ जाता था।

सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में व्यापक कमी करने का निर्णय लिया है और इस कदम के साथ सोने के आयात को भी कम किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि 2026 के बजट में कर्ज घटाने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की जा सकती है।

वित्त वर्ष 2025 में ऋण-जीडीपी अनुपात को 56.8 फीसदी रखने की उम्मीद है, जो 2024 में 58.2 फीसदी था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसका उद्देश्य फिजिकल गोल्ड की जगह बॉन्ड में निवेश को बढ़ाना था। वित्त वर्ष 2025 में अब तक कोई नया गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 18,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था। यह कदम सरकार की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लक्ष्य के साथ लिया गया है। यह निर्णय सरकार के वित्तीय बोझ कम करने और स्थिरता बनाए रखने के मार्ग पर एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही इस योजना के बंद होने से सोने के आयात को भी कम किया जा सकेगा।

महंगाई का असर रिलायंस जियो और एयरटेल पर, टैरिफ की दरें घटाने पर विचार

नई दिल्ली

रिलायंस जिओ, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने इंटरनेट रिचार्ज की दरें जुलाई माह से बढ़ा दी। इसके बाद से ही उनके उपभोक्ता कम होते चले गए। रेट तो बढ़ गये, लेकिन तीनों टेलीकॉम कंपनियों की कमाई कम हो गई। कुछ उपभोक्ताओं ने तीनों कंपनियों को छोड़कर बीएसएनल का कनेक्शन ले लिया। उपरोक्त तीनों कंपनियों को तीन माह के अंदर 1.68 करोड़ से अधिक ग्राहकों को खोना पड़ा। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस जिओ को हुआ है।

रिलायंस जिओ के 1.27 करोड़ उपभोक्ता घट गए। भारतीय एयरटेल के 56 लाख उपभोक्ता और वोडाफोन के 48 लाख उपभोक्ता कम हो गए। कहां रेट बढ़ा कर ज्यादा कमाई करना थी। उल्टे वह पहले की तुलना में कम हो गई।

अब तीनों कंपनियां एक बार फिर से अपने टेरिफ़ पर पुनर्विचार कर रही हैं। उपरोक्त तीनों कंपनियों में इस बात पर विचार हो रहा है। इंटरनेट का प्लान इस तरीके से तैयार करें। जिससे उपभोक्ता की क्रय शक्ति भी बनी रहे। उपभोक्ता भी उसके पास बने रहें। सूत्रों के अनुसार जल्द ही तीनों कंपनियां इंटरनेट टैरिफ को कम कर सकती हैं।

स्टार्टअप इंडिया पहल : भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली 16.6 लाख नई नौकरियां

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं

नई दिल्ली

भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं।

ये स्टार्टअप नई प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त काम करते हुए भारत के अर्थव्यवस्था में नये उद्यामियों को बढ़ावा देते हैं। इसमें हरित प्रौद्योगिकी 27,808 नौकरियां, नवीकरणीय ऊर्जा 41,523 नौकरियां और पेशेवर सेवाएं 94,060 नौकरियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल ने स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, और क्रेडिट गारंटी स्कीम को प्रदान कर बिजनेस को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग और इनोवेशन वीक जैसी पहल पूरे देश में समान अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस योगदान से स्थापित होती स्टार्टअप इंडिया हब और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री ने स्टार्टअप्स के लिए संसाधनों और सहयोग को सुव्यवस्थित करने में सहायक साबित हुए हैं। भारत ने ग्लोबल स्टार्टअप सहयोग के लिए जी20 इंगेजमेंट ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की है।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के आईपीओ पर सभी की नजरें

397-417 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली

ब्लैकस्टोन समर्थित कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 4,225 करोड़ रुपये का मूल्य दायरा तय किया है।

इस आईपीओ में 1,475 करोड़ रुपये की नई शेयर्स बिक्री के लिए पेशकश की जा रही है। कंपनी ने बयान दिया है कि यह आईपीओ 13 दिसंबर को खुलकर 17 दिसंबर को बंद होगा। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह एक बड़ा मौका है निवेशकों के लिए। बड़े (एंकर) निवेशक 12 दिसंबर को बोली लगाने के लिए अवसर पाएंगे। यह आरंभिक भागीदारी का मौका भी है। इस आईपीओ से कंपनी की वृद्धि और विकास को गति मिलेगी। नए शेयर्स के जरिए निवेशकों को भी आवास के लिए एक मौका प्राप्त होगा। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड के इस आईपीओ पर निवेशकों की उत्सुकता बढ़ गई है और विश्वास है कि यह निवेशकों के लिए एक लाभकारी मौका प्रदान करेगी।

आदित्य बिड़ला समूह राजस्थान में 50,000 करोड़ करेगा निवेश

जयपुर । दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल आदित्य बिड़ला समूह ने अपनी विभिन्न कारोबारों में राजस्थान में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बताया कि इस निवेश में नवीकरणीय ऊर्जा में 6,000 करोड़ रुपये भी शामिल होगा। उन्होंने समूह की महत्वपूर्ण उपस्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि समूह के छह व्यवसायों में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल हैं। बिड़ला ने राज्य में सीमेंट उत्पादन की बढ़ोतरी की योजना का भी खुलासा किया और बताया कि कंपनी अब एक करोड़ टन सीमेंट उत्पादन करेगी। समूह के अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण निवेश की योजना बनाने के लिए बिड़ला समूह राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। इस घोषणा से राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया जीवन मिलने की उम्मीदें हैं और समूह के निवेश से राज्य में और विकास की राह खुल सकती है।

ADITYA BIRLA GROUP

अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स : भारतीय रेसिंग सनसनी कुश मैनी ने ऐतिहासिक फॉर्मूला 2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती

अबू धाबी

कुश मैनी ने इस एफ2 सीज़न में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने इनविक्टा रेसिंग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए एफ2 कंस्ट्रक्टर चैंपियनशिप जीत ली है। इसके साथ ही कुश जूनियर फॉर्मूला के शिखर पर एफआई कंस्ट्रक्टर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय बन गए।

इससे पहले कुश ने एफ2 पोल पोजीशन का दावा करने वाले पहले भारतीय बने थे। सीज़न के उतार-चढ़ाव के बावजूद, कुश ने इनविक्टा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, हंगरी में रेस जीत सहित पांच पोडियम हासिल किए। जेद्दा में उनकी पोल पोजीशन ने टीम के प्रभावी अभियान की नींव रखी, जिसका समापन कुश की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से उनकी जीत के रूप में हुआ।

अंतिम दौड़ के लिए, मैनी ने अबू धाबी क्वालीफाइंग पी6 में एक ठोस क्वालीफाइंग दौर में प्रवेश किया और दोनों दौड़ में और भी बेहतर शुरुआत की। उन्होंने अपनी पहली लैप में स्प्रिंट में 6 स्थान और पहली लैप में फीचर में 3 स्थान प्राप्त किए। हालाँकि, उनके फर्श पर कुछ क्षति ने उन्हें स्प्रिंट के लिए बैकफुट पर डाल दिया, जबकि रुके हुए पिटस्टॉप ने रविवार को फीचर रेस में सीज़न को उच्च स्तर पर खत्म करने की उनकी योजना में बाधा डाली।

मैनी ने शानदार उपलब्धि के बाद कहा, यह वह वर्ष नहीं है जब मैं चाहता था कि यह बताया जाए कि हमने कैसे शुरुआत की, लेकिन अभी भी कंस्ट्रक्टर्स चैम्पियनशिप में सहित बहुत सारी सकारात्मकताएं अपने साथ ले जाना बाकी है। अच्छी रेस के लिए इनविक्टा में सभी को धन्यवाद और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। मेरे लिए आगे क्या होगा, इसका इंतजार कर रहा हूं और अगले साल के लिए उत्सुक हूं।

यह ऐतिहासिक जीत न केवल भारतीय मोटरस्पोर्ट इतिहास में कुश मैनी की जगह को मजबूत करती है, बल्कि एक चुनौतीपूर्ण लेकिन पुरस्कृत सीज़न के दौरान उनके लचीलेपन और दृढ़ संकल्प को भी रेखांकित करती है।

न्यूज ब्रीफ

हर खिलाड़ी को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए : ललित उपाध्याय

वाराणसी। ओलंपियन ललित उपाध्याय ने युवा खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए सोमवार को टिप्स दिया। परमानंदपुर शिवपुर स्थित विकास इंटर कॉलेज में हॉकी संघ वाराणसी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ओलंपियन ललित उपाधयाय ने युवा खिलाड़ियों में हॉकी किट वितरित कर कहा कि जीवन में आप तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब आप में आगे बढ़ने की भूख होगी। समस्या तो जीवन में आती जाती हैं। उससे घबराना नहीं चाहिए। अभाव का भी रोना नहीं चाहिए। दुनिया में वही आगे जाता है, जो समस्या का हल निकालना जानते हैं ।ललित उपाध्याय ने कहा कि मैं भी सामान्य आय वर्ग से आगे आया हूं। साथ ही कभी भी माता पिता और गुरु की बात को टालना नहीं चाहिए। ये जीवन में बार-बार नहीं मिलते हैं। ओलंपिक में दो बार हॉकी में कांस्य पदक जीतने वाले ललित अब तक 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उपाध्याय का मानना हे कि हर खिलाड़ी को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उसी के अनुसार अपना कार्यक्रम बनाना चाहिए। कार्यक्रम में हॉकी के अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी ललित ने 100 से अधिक खिलाड़ियों में हॉकी किट वितरित किया। इसके अलावा हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉकी भेंट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश हॉकी संघ के उपाध्यक्ष केबी रावत, जिला ओलंपिक संघ के सचिव शम्स तबरेज, प्रेम शंकर तिवारी आदि भी मौजूद रहे।

आसियान चैम्पियनशिप 2024: कंबोडिया और मलेशिया के बीच पहला मैच 2-2 से ड्रा

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने रविवार रात नोम पेन्ह के ओलंपिक स्टेडियम में 2024 आसियान चैम्पियनशिप ग्रुप ए के उद्घाटन फुटबॉल मैच में मलेशिया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। मलेशिया ने 35वें मिनट में मिडफील्डर स्टुअर्ट विल्किन के गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन कंबोडिया ने दूसरे हाफ में अब्देल कादर कूलिबली के गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद टाई सा ने कंबोडिया को एक घंटे के अंदर दूसरा गोल कर बढ़त दिला दी। हालांकि, 74वें मिनट में फर्गस टियरनी ने बराबरी का गोल करके मलेशिया को हार से बचाया। फीफा रैंकिंग में कंबोडिया 180वें स्थान पर है, जबकि मलेशिया 132वें स्थान पर है। 2024 आसियान चैंपियनशिप 5 जनवरी, 2025 तक चलेगी। कंबोडिया को मलेशिया, सिंगापुर, ईस्ट तिमोर और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा

वेलिंगटन। बेन सॉयर ने न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। नए सौदे के तहत सॉयर दिसंबर 2026 तक टीम के प्रभारी होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोमवार को उक्त पुष्टि की। सॉयर को पहली बार जून 2022 में नियुक्त किया गया था और उनके नेतृत्व में टीम ने इस साल अक्टूबर में पहली बार टी20 विश्व कप जीता। अब उनके पास 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बरकरार रखने का मौका होगा। सॉयर तब भी टीम की कमान संभालेंगे जब न्यूजीलैंड अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का प्रयास करेगा। एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज़ ग्रीन ने कहा, बेन के अगले दो साल के लिए टीम में शामिल होने से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने इस समूह में बहुत अधिक विश्वास और भरोसा जगाया है और उन्हें अभी टीम में बनाए रखना बहुत बड़ी बात है, मौजूदा टीम और व्हाइट फ़र्न्स की दीर्घकालिक योजना दोनों के लिए। हमारे कई युवा खिलाड़ी जिन्होंने दो साल पहले बेन के पहले दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, वे अब बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जैसा कि हमने हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में देखा। उस टूर्नामेंट के दौरान बहुत अधिक विकास हुआ, जो पिछले दो वर्षों में बेन और कोचों द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है। न्यूजीलैंड की अगली श्रृंखला इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जाएगी, जिसमें 19, 21 और 23 तारीख को तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए मंगलवार से शुरु होगा प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 10 दिसंबर मंगलवार से प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होगा। शिविर में देश भर से चुने गए 60 लड़कियों और 60 लड़कों को टीम भावना विकसित करने, कौशल बढ़ाने, मानसिक मजबूती, अनुशासन और टीम बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

इसके अलावा इस शिविर में अनुभवी और नए युवा प्रतिभाशाली खिलाडियों को खेल विशेषज्ञों की ओर से पोल डाइविंग, टैपिंग, ज़िग ज़ैग रनिंग, डाजिंग टैपिंग आदि खो खो खेल की बारीकियां सिखाई जाएँगी।

भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आज यहां बताया कि खो खो विश्वकप से पहले राष्ट्रीय टीम की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है तथा इस प्रशिक्षण शिविर के प्रदर्शन के आधार पर खो खो विश्व कप में भाग लेने के लिए 15 लड़कों और 15 लड़कियों की राष्ट्रीय टीम का चयन किया जाएगा जोकि विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह शिविर 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाले खो खो विश्व कप के लिए उनकी अंतिम तैयारियों की शुरुआत है।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच अश्विनी शर्मा की देखरेख में एक महीने तक यह फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर चलेगा। इसमें खिलाड़ियों की चपलता और तकनिकी पर फोकस होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में देशभर के पुरुष और महिला वर्ग दोनों के साठ साठ प्रतिभाशाली खिलाड़ी, अनुभवी और नए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। जहाँ खिलाड़ी बिजली की तरह तेज रिफक्स, सटीक मूवमेंट और सहज समन्वय की तकनीक सीखेंगे।

यह शिविर खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में एक-दूसरे के साथ मिलकर कैसे मुकाबला जीता जाता है यह सीखने का अवसर प्रदान करेगा।

कोच ने बताया कि विश्व कप के लिए अंतिम टीमों का चयन प्रशिक्षण शिविर के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। लगभग 16 कोच और सहायक कर्मचारी खिलाड़ियों को इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारी में सहायता करेंगे।

प्रशिक्षण शिविर में समन्वय, खेल अभ्यास, तकनीक, पोल डाइविंग और टैपिंग जैसे पीछा करने के कौशल, डोजिंग और जिग जैग रनिंग जैसे रनिंग कौशल आदि में विशेष प्रशिक्षण के साथ फिटनेस के स्तर को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों के लिए केकेएफआई ने खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए एक खेल मनोवैज्ञानिक को भी नियुक्त किया है। वह खिलाड़ियों को चुनौतियों का सामना करने, दबाव को रोकने और मानसिक थकान से निपटने में मदद करेंगे।

सुधांशु मित्तल ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर की औपचारिक शुरुआत से पहले दो दिनों के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा परीक्षण किए जाएंगे। खिलाड़ियों के रहने और खाने की व्यवस्था जवाहर लाल नेहरू साई छात्रावास में की जाएगी जो प्रशिक्षण शिविर स्थल से 100 मीटर की दूरी पर है। सभी खिलाड़ियों को नि:शुल्क आवास सुविधा तथा 20,000/-(बीस हजार रुपये) मूल्य की खेल किट उपलब्ध कराई जाएगी।

खिलाड़ियों के पोषण का विशेष प्रबंध किया गया है तथा प्रशिक्षण शिविर में उन्हें आहार, सूखे मेवे, जूस, शाकाहारी तथा मांसाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

बीबीएल : मेलबर्न स्टार्स ने एडम मिल्ने के साथ किया करार

मेलबर्न

मेलबर्न स्टार्स ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को क्रिसमस से पहले बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए अनुबंधित किया है। वे पाकिस्तान के लेग स्पिनर उसामा मीर की जगह लेंगे, जो इस सीजन के पहले तीन मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

पिछले सीजन के अंत में ग्लेन मैक्सवेल के कप्तान बनने के बाद स्टार्स इस सप्ताह नए कप्तान की घोषणा करने वाले हैं। मैक्सवेल के 15 दिसंबर को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए फिट होने की संभावना नहीं है, क्योंकि वे अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं और यह देखना बाकी है कि वे क्रिसमस से पहले होने वाले पहले तीन मैचों में से किसी में भी खेल पाएंगे या नहीं।

मीर स्कॉर्चर्स, ब्रिसबेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ पहले तीन मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं हैं, जो पांच दिनों के अंतराल में तीन शहरों में खेले जाएंगे। स्टार्स ने उन तीन मैचों के लिए मिल्ने को टीम में शामिल किया है। वह इससे पहले 2020-21 में सिडनी थंडर के लिए बीबीएल में खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 12 मैचों में 7.56 की इकॉनमी रेट से सिर्फ पांच विकेट लिए थे।

मेलबर्न स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा, एडम जैसी प्रतिभा और अनुभव वाले किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना पहले तीन मैचों के लिए टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। एडम ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानता है, हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह क्या कर सकता है।

मिल्ने टेस्ट ड्यूटी पर मौजूद स्कॉट बोलैंड की अनुपस्थिति को भी कवर करेंगे। स्टार्स को कम से कम पर्थ में शुरुआती गेम के लिए ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की कमी खल सकती है, क्योंकि वह 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे मैच के लिए टेस्ट टीम में बने रहने के लिए तैयार हैं।

हीट के खिलाफ स्टार्स का दूसरा बीबीएल मैच तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन है, जिसका मतलब है कि वेबस्टर संभावित रूप से उपलब्ध हो सकते हैं यदि उन्हें मिशेल मार्श की फिटनेस के लिए टेस्ट टीम से रिलीज़ किया जाता है।

स्टार्स को बीबीएल सीज़न के शुरुआती तीन मैचों के लिए इंग्लैंड के टेस्ट ओपनर बेन डकेट की भी कमी खल रही है, क्योंकि वह न्यूजीलैंड में अपने टेस्ट कर्तव्यों को पूरा करेंगे, जो क्लार्क 2021-23 से दो सीज़न खेलने के बाद स्टार्स में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए प्रतिस्थापन के रूप में तैयार हैं। क्लार्क ने पिछले सीज़न में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए छह गेम और 2020 में स्कॉर्चर्स के लिए तीन गेम भी खेले। उन्होंने हाल ही में गुयाना में ग्लोबल सुपर लीग में विक्टोरिया के लिए खेला।

पैरा-एथलेटिक चैंपियनों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से रुनवाल रियल्टी करेगा ठाणे हाफ मैराथन की मेजबानी

मुंबई

मुंबई के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, रुनवाल रियल्टी, प्ले फ्री स्पोर्ट्स के सहयोग से, 15 दिसंबर, 2024 को ठाणे हाफ मैराथन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह दौड़ रुनवाल 25 आवर लाइफ, मानपाड़ा, ठाणे पश्चिम से शुरू होगी। आयोजन से प्राप्त आय सीधे तौर पर भारत के पैरा-एथलीट चैंपियनों को कृत्रिम पैर प्रदान करके, उन्हें बाधाओं को तोड़ने और चमकने के लिए सशक्त बनाकर सहायता करेगी।

दौड़ का आयोजन चार श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 1 मील में किया जाएगा।

प्रतिभागियों को कई उपहार दिए जाएंगे, जिनमें ड्राई फिट टी-शर्ट, फिनिशर मेडल, नाश्ता और शीर्ष ब्रांडों के 1,000 से अधिक मूल्य के वाउचर शामिल हैं।

बोटाफोगो ने तीसरी बार जीता ब्राजीलियन सेरी ए खिताब

रियो डी जेनेरियो

ग्रेगोर के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से बोटाफोगो ने रविवार को साओ पाउलो को 2-1 से हराकर तीसरी बार ब्राजीलियन सेरी ए खिताब जीतकर 29 साल का इंतजार खत्म किया। बोटाफोगो के लिए मैच के 37वें मिनट में जेफर्सन सावारिनो ने पहला गोल किया, इसके बाद विलियम गोम्स ने 63वें मिनट में साओ पाउलो को लिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

ग्रेगोर ने 92वें मिनट में एक गलत डिफेंसिव पास का फायदा उठाते हुए गोल किया।

रियो डी जेनेरियो के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस परिणाम का मतलब था कि बोटाफोगो ने 79 अंकों के साथ सीजन का समापन किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद पाल्मेरास से छह अंक आगे था।

यह आठ दिनों में बोटाफोगो के लिए दूसरी बड़ी ट्रॉफी थी, इससे पहले रियो की टीम ने ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल में एटलेटिको मिनेरो को 3-1 से हराया था।

बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने कहा कि पिछले सीजन में मिली निराशा के बाद यह खिताब जीतना शानदार है। पिछली बार टीम ने पाल्मेरास से सीरी ए खिताब हारने के लिए 13 अंकों की बढ़त गंवा दी थी।

पुर्तगाल के ब्रागा से अप्रैल में क्लब में शामिल हुए जॉर्ज ने स्पोर्टव से कहा, मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि हमने इस सीजन में अपने लक्ष्य हासिल किए हैं, बल्कि इसलिए भी कि खिलाड़ियों ने पिछले साल बहुत कुछ झेला। हमारा सीजन असाधारण रहा और प्रशंसक किसी से भी ज्यादा इसके हकदार हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें बहुत कुछ सहना पड़ा है।

बोटाफोगो, जिसने पिछले शीर्ष-स्तरीय खिताब 1968 और 1995 में जीते थे, एक ही साल में ब्राजीलियन सीरी ए और कोपा लिबर्टाडोरेस खिताब हासिल करने वाला केवल तीसरा क्लब है। यह उपलब्धि पेले के सैंटोस ने 1962 और 1963 में और फ्लेमेंगो ने 2019 में भी हासिल की थी।

बोटाफोगो की टीम अब अपना ध्यान कतर में होने वाले फीफा इंटरकांटिनेंटल कप के उद्घाटन संस्करण पर लगाएगी, जहां बुधवार को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मैक्सिको के पचुका से होगा।

महिला एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा : नेहा

नई दिल्ली

महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में ओडिशा वॉरियर्स की कप्तानी कर रहीं नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए उद्घाटन एचआईएल को एक बड़ा मंच करार दिया।

हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी में इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं।

नेहा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम वर्षों से इस तरह के मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे, और अब जब यह अंतत: यहाँ है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीज़न में आगे नहीं बढ़ पाए और उन्हें कड़ी मेहनत करने और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाने की प्रेरणा मिलेगी। मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नियुक्त की गईं नेहा नई जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा,एक कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती को लेकर उत्साहित हूं। मैं कुछ समय तक भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जरूरत पड़ने पर कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएँ स्वीकार की हैं, चाहे वह अपने साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के साथ नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ लाना है।

अपनी शादी सहित हालिया व्यक्तिगत मील के पत्थर के बावजूद, नेहा अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन के दोनों पहलुओं का प्रबंधन वर्षों से करती आ रही हूँ। मेरी शादी से खेल के प्रति मेरा दृष्टिकोण नहीं बदलेगा। मेरे पति अविश्वसनीय रूप से सहायक हैं और समझते हैं कि हॉकी मेरे लिए कितना मायने रखती है। इसलिए, अभी मेरा एकमात्र ध्यान एचआईएल पर है, और मैं इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है। हालाँकि उन्होंने यह तय नहीं किया है कि पैसे का उपयोग कैसे किया जाए, वह युवा एथलीटों के विकास में योगदान देने की उम्मीद करती हैं।

उन्होंने कहा, मैं किसी तरह से वापसी करना चाहती हूं, शायद हॉकी अकादमियों में उन लड़कियों का समर्थन करके, जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

बिहार के राजगीर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी जीत से ताज़ा, नेहा एचआईएल में वही आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प ला रही हैं।

उन्होंने कहा, घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा विशेष होता है। प्रशंसकों की ऊर्जा और समर्थन ने राजगीर में हमारी सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाई और मैं एचआईएल में भी इसी तरह के माहौल की उम्मीद कर रही हूं। एक केंद्रीय मिडफील्डर के रूप में, मेरा उद्देश्य आक्रमण और रक्षा दोनों का समर्थन करना और हर पहलू में अपनी टीम की मदद करना है।

कानूनी नोटिस मिलने के बाद लिया गया फैसला

साई पल्लवी की फिल्म *अमरण* से हटाया गया विवादित सीन

साई पल्लवी और शिवकार्तिकेयन की फिल्म *अमरण* का एक सीन विवाद का विषय बन चुका था, जिसे अब फिल्म से हटा दिया गया है। यह कदम निर्माताओं द्वारा 1.1 रुपए के मुआवजे की मांग करने वाले कानूनी नोटिस मिलने के बाद उठाया गया है। चेन्नई के छात्र वागीसन ने साई पल्लवी के प्रशंसकों द्वारा लगातार किए जा रहे कॉल को लेकर अमरण निर्माताओं पर मुकदमा दायर किया, जिसके बाद उन दृश्यों से हटा दिया गया। फिल्म इस समय ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्ट्रीम हो रही है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला-

दरअसल, साई पल्लवी और शिवकार्तिकेयन की फिल्म अमरण में एक दृश्य है, जिसमें अभिनेत्री साई पल्लवी एक कागज के टुकड़े पर अपना फोन नंबर लिखकर हीरो की ओर फेंकती हैं। वह नंबर असल जिंदगी में चेन्नई के एक छात्र वागीसन का है। फिल्म में दिखाए गए नंबर को साई का नंबर समझकर लोग फोन करने लगे। उन्हें पहले तो इसका कारण पता नहीं चला और उन्होंने अपना फोन म्यूट कर लिया, लेकिन कॉल की संख्या कई गुना बढ़ गई, जिसके बाद वागीसन ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाते हुए फिल्म के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी और मुख्य अभिनेता शिवकार्तिकेयन को टैग करते हुए समाधान की मांग की। वागीसन ने बाद में इस सीन के कारण हुई *अनकही कठिनाइयों और मानसिक पीड़ा* के लिए कानूनी नोटिस भेजा, जब उनके अनुरोधों का कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने उनका फोन नंबर तुरंत फिल्म से हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मैं इस मुद्दे के कारण अपना फोन नंबर नहीं बदलना चाहता क्योंकि यह मेरे आधार, बैंक कार्ड और अन्य शैक्षणिक प्लेटफार्मों से जुड़ा हुआ है। अमरण के प्रदर्शन की बात करें तो यह फिल्म इस साल अक्तूबर में रिलीज हुई। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने कुल 252 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं, अब यह ओटीटी पर ही रिलीज हो चुकी है। फिल्म 5 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

मलाई में मिलाकर चेहरे पर लगाएं ये चीज, खत्म हो जाएगा त्वचा का रूखापन

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही लोग अपनी त्वचा के रूखेपन से काफी परेशान हो जाते हैं। कई बार तो ये रूखापन इस कदर बढ़ जाता है कि त्वचा फटने लगती है और इनसे खून तक निकलने लगता है। ऐसे में हर कोई त्वचा का ध्यान रखने के लिए बाजार में मिलने वाले बॉडी लोशन और कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करता है। इनके इस्तेमाल से त्वचा कुछ देर के लिए हाइड्रेट हो जाती है। पर, यदि आप अपनी त्वचा को आंतरिक रूप से हाइड्रेट करना चाहते हैं तो उसके लिए मलाई का इस्तेमाल करें। मलाई में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा में अंदर से नमी पहुंचाते हैं। इसका इस्तेमाल चेहरे से लेकर हाथ-पैरों में भी किया जा सकता है। यहां हम आपको दो तरह से मलाई का इस्तेमाल करना सिखाएंगे, ताकि आप भी आसान तरीके से इसका लाभ उठा सकें।

मलाई और शहद : मलाई और शहद को मिलाकर यदि चेहरे पर लगाना जाएगा तो इससे न सिर्फ आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहेगी, बल्कि साथ ही में ये त्वचा की प्राकृतिक चमक को बरकरार रखेगा। इसके इस्तेमाल के लिए 1 चम्मच मलाई में 1 चम्मच शहद मिलाएं। अब इसे चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें। कुछ दिन ही इसके इस्तेमाल से आपको असर दिखने लगेगा।

मलाई और बेसन : मलाई और बेसन त्वचा की डेड स्किन को हटाता है, जिस वजह से त्वचा खिल उठती है। डेड स्किन हटने की वजह से त्वचा को ज्यादा नमी मिलती है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको सिर्फ 1 चम्मच मलाई में 1 चम्मच बेसन मिलाएं। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़कर धो लें।

त्वचा को नमी पहुंचाती है : त्वचा पर मलाई लगाने से त्वचा में नमी बनी रहती है, जिससे त्वचा मुलायम और नर्म रहती है। यह खासतौर पर सर्दियों में उपयोगी होता है, जब त्वचा सूखने लगती है।

बरकरार रहती है त्वचा की चमक : यदि सर्दियों की वजह से आपकी त्वचा डल होती जा रही है तो आपको भी मलाई का इस्तेमाल करना चाहिए। मलाई में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, ऐसे में इसके इस्तेमाल से त्वचा चमक उठती है।

क्रिसमस का शानदार सेलिब्रेशन के लिए जाएं कसोल, नजारा देखकर हो जाएंगे हैरान

साल आखिरी महीना दिसंबर चल रहा है। इस आखिरी महीने में क्रिसमस और न्यू ईयर का जश्न बनाने के लिए आप भी कहीं बाहर घूमने का प्लान जरुर कर रहे हैं। विंटर में हिल स्टेशन पर घूमने का एक अलग ही मजा आता है। क्रिसमस के दौरान यहा पर एक अलग ही वाइब होती है। अगर आप भी इस दिन कहीं घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आप हिमाचल प्रदेश के कसोल जा सकता है। 25 दिसंबर को पूरी दुनिया में क्रिसमस मनाया जाता है, वैसे तो यह ईसाई धर्म का त्योहार है, लेकिन इसे सभी लोग मनाते हैं। अगर आप नववर्ष का जश्न मनाना चाहते हैं, तो आप यहां जा सकते हैं। वैसे कसोल में कई ट्रैकिंग ट्रेल्स और ऐडवेंचर एक्टिविटीज के लिए लोकप्रिय है। ट्रेकिंग का शौक रखने वाले लोग खीरगंगा, मलाणा और तोश जैसे नजदीकी जगहों पर जाकर ट्रैकिंग शुरु कर सकते हैं। क्रिसमस के दौरान आप यहां पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। दिसंबर में क्रिसमस और न्यू ईयर का इंतजार सबको रहता है। कसोल में इस दौरान खूब पार्टीज अलग-अलग तरह से होती है। यहां पर म्यूजिक फेस्टिवल का आयोजन देखने को मिलता हैं, तो कहीं पर साइलेंट डीजे पार्टी की जाती है। यहां पर कपल्स भी सबसे ज्यादा आते हैं। इस समय आफ यहां के जीवंत कैफे में लोकल खाने का मजा ले सकते हैं। अगर आप दिसंबर जा रहे हैं, तो आप जल्द ही बुकिंग कर लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**